सुविचार

अपनी जिंदगी में अगर वाकई कुछ हासिल करना है तो, अपने तरीकों को बदलों अपने इरादों को कभी नहीं।

दैनिक
नर्मदा न्यूज
TO THE POINT

RNI.No.MPHIN/25/A3054

www.narmadanewsttp.com

पेज-7

● वर्ष-1, ● अंक- 285 भोपाल से प्रकाशित ● भोपाल, बुधवार 08 अप्रैल, 2026 ● मूल्य 2 रुपए ● पृष्ठ 8

संक्षिप्त समाचार

एअर इंडिया सीईओ कैंपबेल विल्सन ने दिया इस्तीफा

● अहमदाबाद प्लेन क्रैश की रिपोर्ट आने के बाद पद छोड़ेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफीसर कैंपबेल विल्सन ने इस्तीफा दे दिया है। न्यूज एजेंसी ने मंगलवार को सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी। कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि एयर इंडिया ने नए सीईओ की तलाश भी शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, विल्सन सितंबर में अपना पद छोड़ सकते हैं। पिछले हफ्ते हुई कंपनी की बोर्ड बैठक में उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। विल्सन को 2022 में एअर इंडिया का सीईओ और प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया था।

उनका कॉन्ट्रैक्ट 5 सालों के लिए, जुलाई 2027 तक था। रिपोर्ट्स के अनुसार, एयरलाइन अहमदाबाद प्लेन क्रैश की फाइनल जांच रिपोर्ट आने के बाद नए सीईओ की नियुक्ति करेगी। 12 जुलाई 2025 को हादसे की प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की थी।

तय सीमा से ज्यादा क्षेत्र में हो सकेगी खनिजों की खोज

● संशोधनों की अधिसूचना जारी, केंद्र ने खनन नियमों में किए संशोधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सोमवार को दुर्लभ खनिजों के खनन से जुड़े नियमों में संशोधनों की अधिसूचना जारी कर दी। संशोधित नियमों के तहत लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटर तय सीमा से अधिक क्षेत्र में दुर्लभ खनिजों की खोज कर सकेंगे। इससे गहरे क्षेत्रों से खनिजों

को निकालने में मदद मिलेगी और इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रयासों को बढ़ावा मिलेगा। संशोधनों के तहत खनन पट्टों और समग्र लाइसेंसों में सटे हुए क्षेत्रों को खनन में शामिल करने की अनुमति दी जाएगी। साथ ही प्रमुख पट्टों में संबंधित खनिजों को जोड़ने की भी अनुमति होगी।

यूपी के शिक्षामित्रों और अनुदेशकों की बल्ले-बल्ले

● मई से मिलेगा बढ़ा मानदेय, योगी कैबिनेट का बड़ा फैसला

सरकार पर 1475 करोड़ से अधिक का अतिरिक्त बोझ

लखनऊ (एजेंसी)। परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षामित्रों और अंशकालिक अनुदेशकों के मानदेय में बढ़ोतरी के फैसले पर कैबिनेट ने मुहर लगा दी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले वर्ष पांच सितंबर, शिक्षक दिवस के अवसर पर इसकी घोषणा की थी, जिसे अब एक अप्रैल से लागू कर दिया गया है। बढ़ा हुआ मानदेय एक मई से उनके बैंक खातों में भेजा जाएगा। इसके तहत परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षामित्रों को अब 18 हजार रुपये और अंशकालिक अनुदेशकों को 17 हजार रुपये प्रतिमाह मिलेंगे। इससे पहले शिक्षामित्रों को 10 हजार और अनुदेशकों को 9 हजार रुपये मानदेय दिया जा रहा था। कैबिनेट के निर्णय की जानकारी देते हुए बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 1,42,929 शिक्षामित्र कार्यरत हैं। इनमें से 1,29,332 शिक्षामित्रों का मानदेय अब तक समग्र शिक्षा अभियान के तहत केंद्र और राज्य सरकार के बीच 60-40 के अनुपात में दिया जाता रहा है। मानदेय बढ़ने के बाद इन पर अतिरिक्त व्यय आएगा।

भोपाल में खुलेगा फाइनेंशियल ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट

▶▶ उज्जैन एयरपोर्ट के लिए 590 करोड़ रुपए का मिला बजट

● मोहन कैबिनेट ने सौ फीसदी मसूर खरीदने को भी दी मंजूरी

भोपाल। प्रदेश में वित्तीय प्रबंधन को लेकर राज्य सरकार ने फाइनेंशियल ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (एफटीआरआई) खोलने को मंजूरी दे दी है। मोहन यादव कैबिनेट ने आज इस प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है। यह इंस्टीट्यूट प्रदेश में वित्तीय प्रबंधन पर रिसर्च और बजट आंकलन समेत अन्य वित्तीय व्यवस्थाओं के लिए काम करेगा। इसका संचालन शुरुआत में प्रशासन अकादमी से किया जाएगा। इसके अलावा एससी वर्ग के छात्रों के लिए दस हजार रुपए प्रतिमाह स्कॉलरशिप भी मंजूर की गई है। कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए मंत्री चैतन्य काश्यप ने बताया कि बैठक में कातन सिंचाई परियोजना को मंजूरी दी गई।

25 प्रतिशत चना, 100 फीसदी मसूर खरीदेगी सरकार

कैबिनेट ने चना और मसूर की खरीदी को भी मंजूरी दी है। चने का भाव 5000 रुपए और मसूर का 5800 रुपए क्विंटल है। सरकार चने के कुल उत्पादन का 25 प्रतिशत खरीदी करेगी और मसूर का 100 फीसदी खरीदी करने का फैसला किया गया है। इसके लिए 3174 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है। प्रदेश में गेहूं खरीदी 9 अप्रैल से शुरू होगी और पहले छोटे किसानों को खरीदी के लिए बुलाया जाएगा। उज्जैन में सिंहस्थ को देखते हुए एयरपोर्ट विकसित करने राज्य सरकार ने 590 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। यह राशि एयरपोर्ट के लिए भूमि अधिग्रहण पर खर्च की जाएगी। केंद्र सरकार की उड़ान योजना के अंतर्गत यह एयरपोर्ट बनेगा और इसका काम केंद्र सरकार पूरा कराएगी।

अंबेडकर जयंती पर आज से प्रदेश भर में कार्यक्रम

इसके बनने से सिंहस्थ के दौरान लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। योजनाओं को चालू रखने का फैसला वाणिज्यिक कर विभाग की 8 योजनाओं को निरंतर जारी रखने को मंजूरी गई है। 2952 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। इसी तरह वन विभाग की वन क्षेत्र योजनाओं के लिए 5215 करोड़ और स्कूल शिक्षा विभाग की अलग-अलग योजनाओं को निरंतर चालू रखने के लिए 4672 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है। डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर 14 अप्रैल को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सीएम ने कहा कि अंबेडकर की जयंती के कार्यक्रम कल 8 अप्रैल से आरंभ होकर 14 अप्रैल तक चलेंगे।

समाज जैसा बनेगा, वैसा ही देश बनेगा

● संत मलूक दास की 452वीं जयंती के कार्यक्रम में बोले संघ चीफ मोहन भागवत

कहा-संत भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए काम करें, वृंदावन में संत के पैर छुए

मथुरा (एजेंसी)। संत मलूक दास की मंगलवार को 452वीं जयंती थी। वृंदावन के मलूक पीठ में उनका जन्मोत्सव कार्यक्रम मनाया गया। इसमें संघ प्रमुख मोहन भागवत पहुंचे। मंच पर संत रसिक माधव दास ने मोहन भागवत को शाल ओढ़ाकर स्वागत किया। भागवत ने हाथ जोड़कर अभिवादन स्वीकार किया और पैर छूकर आशीर्वाद लिया। संघ प्रमुख ने कहा- समाज को गो-भक्त बनाया जाए, तो गो-हत्या अपने आप रुक जाएगी। जो लोग आज सत्ता में हैं, उनके मन में भी यह बात है। वे करना चाहते हैं, लेकिन कई तरह की दिक्कतें सामने आती हैं। ऐसे में साहसी कदम उठाने के लिए समाज का साथ जरूरी है। गो-जागृति को मजबूत करना होगा। जब जनभावना तैयार हो जाएगी, तो व्यवस्था को भी उसे मानना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब पूरे भारत की यही सामूहिक इच्छा बन जाएगी। समाज जैसा बनेगा, देश भी वैसा ही बनेगा। इसलिए समाज कैसा हो, इसके लिए हमारे पास संतों की समृद्ध परंपरा मौजूद है और हमें उनका अधिक से अधिक अनुकरण करना चाहिए। उन्होंने कहा- अब समय आ गया है कि भारत विश्व गुरु बनकर दुनिया को एक सुंदर अनुभव कराए। संत और संघ मिलकर काम करेंगे।

संघ प्रमुख ने सूर्य से जुड़ा हुआ किस्सा सुनाया

संघ प्रमुख ने कहा- सूरज (सूर्य) ने सोचा कि छुट्टी पर जाएंगे। वह दिन-रात काम करते हैं, कभी छुट्टी नहीं लेते। उन्होंने सभी देवताओं को बुलाया और कहा- भाई, मैं छुट्टी पर जा रहा हूं। मेरा चार्ज कौन लेगा। इस पर चंद्रमा का नाम आया। चंद्रमा ने कहा- महाराज, आप नहीं रहेंगे तो अमावस्या हो जाएगी, मैं आपका चार्ज नहीं ले सकता। कोई तैयार नहीं हुआ। आखिर में एक दीप खड़ा हुआ और बोला-मुझे नहीं पता कि मैं आपका चार्ज ले सकता हूं या नहीं। मुझे यह असंभव लगता है, लेकिन मैं आपको एक वचन देता हूं। जब तक मेरा तेल और बाती कायम है, तब तक मैं जलता रहूंगा।

संत अपना काम करें, हम डंडा लेकर दरवाजे पर खड़े रहेंगे

समाज जैसा बनेगा, देश भी वैसा ही बनेगा। इसलिए समाज कैसा हो, इसके लिए हमारे पास संतों की समृद्ध परंपरा मौजूद है। हमें उनका अधिक से अधिक अनुकरण करना चाहिए। हमारे यहां व्यक्ति और समाज में ऐसा परिवर्तन आना चाहिए, जिसके लिए जरूरी उदाहरण संतों की मंडली हमारे पास मौजूद है। अब समय आ गया है कि भारत विश्व गुरु बनकर दुनिया को एक सुंदर अनुभव कराए। संत और संघ मिलकर काम करेंगे। संत अपना कार्य करेंगे और हम डंडा लेकर दरवाजे पर खड़े रहेंगे। यही हमारी ड्यूटी है। समाज को गो-भक्त बनाया जाए तो गो-हत्या अपने आप रुक जाएगी मोहन भागवत ने कहा- समाज को गो-भक्त बनाया जाए, तो गो-हत्या अपने आप रुक जाएगी। जो लोग आज सत्ता में हैं, उनके मन में भी यह बात है। वे करना चाहते हैं, लेकिन कई रोड़े हैं।

1971 में दो भागों में बांटा भूले तो नहीं होंगे ख्वाजा!

● पकिस्तान के रक्षामंत्री आसिफ को राजनाथ का जवाब ● भारतीय रक्षामंत्री ने कहा-टुकड़े-टुकड़े होगा पाकिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर में मुंह की खाने बावजूद आतंक का गढ़ पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज आता नहीं दिख रहा। भारतीय सैन्य ऐक्शन से डरे हुए पाकिस्तानी हुक्मरान

बेतुके बयान से सुर्खियां बटोरते रहते हैं। ऐसी ही टिप्पणी पड़ोसी मुल्क के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में की। जिसका जवाब भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दी है। उन्होंने कहा कि अगर वे बंगाल पर बुरी नजर डालने की कोशिश करेंगे, तो अंजाम बुरा होगा।

● **कोलकाता पर नजर डाली तो टुकड़े-टुकड़े होगा पाकिस्तान-** भारतीय रक्षा मंत्री ने दो टूक कहा कि अगर पाकिस्तान इस बार बंगाल पर नजर डालने की हिमाकत करता है तो इस बार पाकिस्तान के कितने टुकड़े होंगे, यह केवल भगवान ही जानते हैं। राजनाथ सिंह बंगाल के बैरकपुर में चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान रोड शो करते हुए उन्होंने अपने पाकिस्तानी समकक्ष की धमकी पर कड़े शब्दों में जवाब दिया।

जम्मू-कश्मीर में 16 साल से फरार पाकिस्तानी आतंकी गिरफ्तार

लश्कर का मेंबर था; एक साथी और तीन मददगार भी पकड़े गए

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा टेरर मॉड्यूल से जुड़े कुल 5 लोगों को अरेस्ट किया है। इनमें से दो पाकिस्तानी आतंकी हैं, बाकी उनके मददगार हैं। एक आतंकी की पहचान अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरेरा के रूप में हुई है। अब्दुल्ला 16 साल से फरार था। वहीं, दूसरा पाकिस्तानी आतंकी उस्मान उर्फ खुबैब है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ-साथ सेंट्रल एजेंसियां भी इस ऑपरेशन में शामिल थीं। जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और हरियाणा समेत 19 जगहों पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया।

● **2010 में भारत में घुसे थे दो पाकिस्तानी आतंकी-** अधिकारियों ने कहा कि जांच से पता चलता है कि एक अन्य आतंकवादी दूसरे राज्यों में लश्कर-ए-तैयबा नेटवर्क की मदद से जाली कागजात और पहचान के आधार पर देश से बाहर जाने में कामयाब रहा। आतंकवादियों ने करीब 16 साल पहले भारत में घुसपैठ की थी, जिस दौरान वे कश्मीर घाटी के अलग-अलग जिलों में एक्टिव रहे। इन सालों में, उन्होंने करीब 40 आतंकवादियों को कमांड किया। इनमें से ज्यादातर को सुरक्षाबलों ने मार गिराया।

गरीबों का राशन डकार गए राजधानी के बड़े साहब

भोपाल में एसडीएम के आईडी-पासवर्ड से जारी हुए 37 फर्जी बीपीएल कार्ड

भोपाल। राजधानी में गरीबों के निवाले पर डाका डालने वाला एक बड़ा सफेदपोश गिरोह पकड़ा गया है। एमपी नगर एसडीएम कार्यालय की आधिकारिक आईडी और पासवर्ड का अवैध उपयोग कर ऐसे लोगों के बीपीएल राशनकार्ड जारी कर दिए गए, जिनके पास आलीशान मकान, गाड़ियां और 50 हजार रुपये तक का मासिक वेतन है। इस सनसनीखेज खुलासे के बाद जिला प्रशासन ने तत्काल 37 फर्जी कार्ड निरस्त कर दिए हैं।

बाबू से लेकर ऑपरेटर तक, सब मिले थे खेल में

जांच में सामने आया कि यह कोई मामूली गलती नहीं, बल्कि एक सोची-समझी साजिश थी। वन विभाग के वन रक्षक किशोर मेहरा, जिनके पास कार्यालय की महत्वपूर्ण आईडी-पासवर्ड थे, उन्होंने पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन यंत्री सुरेश बैरागी और कंप्यूटर ऑपरेटर गोविंद माली के साथ मिलकर अपात्रों की लॉटरी लगा दी। यहां तक कि कलेक्ट्रेट में कार्यरत बाबुओं के परिजनों के भी बीपीएल कार्ड बना दिए गए।

भोपाल के सभी क्षेत्रों में पिछले एक साल में बने बीपीएल कार्डों की दोबारा स्क्रूटनी की जाएगी। जो भी अपात्र पाया जाएगा, न केवल उसका कार्ड निरस्त होगा, बल्कि उससे अब तक लिए गए राशन की वसूली भी की जा सकती है।

एसडीएम की आईडी से हुआ फर्जीवाड़ा

फर्जीवाड़ा सिस्टम की डिजिटल सुरक्षा में बड़ी सेंध है। जिन परिवारों की आय 40 से 50 हजार रुपये है, उन्हें अति गरीब दिखाकर कार्ड जारी किए गए। इससे जिम्मेदारों पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। जब सरकारी तंत्र के भीतर बैठे लोग ही पासवर्ड साझा करने लगें, तो अपात्रों का शामिल होना आसान हो जाता है। अब भोपाल के सभी एसडीएम से पिछले एक साल का रिकॉर्ड मांगा गया है, जिससे कई और बड़े नाम सामने आने की आशंका है। अपर कलेक्टर ने स्पष्ट कर दिया है कि अब जांच का दायरा केवल एमपी नगर तक सीमित नहीं रहेगा।

खुले जंगल में घूम रहे 12 चीते

6 ने लांघ दी कूनो की सीमा

● खौफ में एमपी-राजस्थान के किसान, दूर तक सुनाई दे रही गूंज

श्योपुर (एजेंसी)। भारत के चीता प्रोजेक्ट ने एक ऐसी लंबी छलांग लगाई है, जिसकी गूंज अब मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क से निकलकर राजस्थान के जंगलों तक सुनाई दे रही है। कूनो के 12 चीते अब पूरी तरह फ्री-रेंज यानी खुले जंगल में घूम रहे हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से आधे यानी 6 चीते पार्क की हदें पार कर ग्वालियर, मुरैना, शिवपुरी और राजस्थान के बारां जिले तक पहुंच चुके हैं। **17,000 वर्ग किमी का नया साम्राज्य-** केंद्र सरकार ने चीतों के कुनबे को बसाने के लिए 17,000 वर्ग किमी का एक विशाल चीता लैंडस्केप नोटिफाई किया है। यह कॉरिडोर एमपी के 12 और राजस्थान के 13 जिलों में फैला है।

आमने-सामने आए इंसान और चीते

चीतों का कूनो से बाहर निकलना उनकी सफलता का प्रतीक तो है, लेकिन यह मानव-वन्यजीव संघर्ष की नई चुनौती भी लाया है। हाल ही में सबलगढ़ से एक वीडियो सामने आया। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में एक ग्रामीण अपनी भैंस को चीते से बचाने के लिए उसे खदेड़ता नजर आया। रिहाइशी इलाकों के पास चीतों की मौजूदगी से ग्रामीणों में डर है, हालांकि अधिकारियों का कहना है कि यह उनकी प्राकृतिक बसावट का हिस्सा है।

पश्चिम बंगाल चीफ सेक्रेटरी को मिली 'सुप्रीम' फटकार

● कहा-न्यायिक अधिकारियों पर हमले वाले दिन फोन क्यों नहीं उठाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन में लगे 7 न्यायिक अधिकारियों के घेराव और उन पर हमले के मामले में राज्य के चीफ सेक्रेटरी दुष्यंत नारियाला को फटकार लगाई है। कोर्ट ने सोमवार को अपने प्लेनरी पावर (संविधान की धारा 142 के तहत मिले अधिकार) का इस्तेमाल करते हुए मामले की जांच एनआईए को सौंप दी। सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने कहा कि जब न्यायिक अधिकारियों पर हमला हुआ तब चीफ सेक्रेटरी ने फोन तक नहीं उठाया।

सिंहस्थ निर्माण कार्यों की टाइमलाइन सीएम ने की तय

● 2027 में दीपावली तक पूरे करने होंगे सभी काम, अफसरों-कर्मचारियों को ट्रेनिंग दिलाएं

भोपाल। सिंहस्थ 2028 के लिए उज्जैन में चल रहे निर्माण कार्यों की टाइमलाइन सीएम डॉ. मोहन यादव ने तय कर दी है। सिंहस्थ मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में मुख्यमंत्री यादव ने कहा है कि सभी निर्माण कार्य छह माह पहले 2027 की दीपावली तक पूरे करा लिए जाएं ताकि 2028 में होने वाले आयोजन में किसी तरह की दिक्कत न रहे। मुख्यमंत्री

ने यह भी कहा है कि अधिकारी-कर्मचारी को भीड़ मैनेजमेंट समेत अन्य व्यवस्थाओं से संबंधित प्रशिक्षण देने का काम भी समय पर पूरा करा लिया जाए। इस दौरान 2985 करोड़ के निर्माण कार्यों को मंजूरी भी दी गई।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली विधानसभा का सुरक्षा घेरा 'चकनाचूर', हाईलेवल मीटिंग होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा में सुरक्षा

में लापरवाही के मामले में विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता जल्द सुरक्षा को लेकर समीक्षा बैठक करेंगे। दिल्ली पुलिस, सीआरपीएफ, दिल्ली सरकार के अधिकारियों सहित विभिन्न एजेंसियों को बैठक में शामिल किया जाएगा। विधानसभा की सुरक्षा को लेकर विभिन्न पहलुओं पर विचार किया जाएगा। यहां बता दें कि पिछले कुछ माह से दिल्ली विधानसभा को ईमेल द्वारा बम से उड़ने की धमकियां मिलने का मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। यहां तक कि बजट सत्र शुरू होने वाले दिन 23 मार्च और उसके बाद 24 मार्च फिर 25 मार्च को लगातार दिल्ली विधानसभा के ईमेल पर और विधानसभा अध्यक्ष के ईमेल आइडी पर भी धमकी भरे मेल प्राप्त हुए थे। उसके बाद से लगातार यह मुद्दा चर्चा का विषय बना हुआ है। मगर अब सोमवार को जिस तरीके से एक व्यक्ति द्वारा कार के साथ गेट तोड़कर अंदर प्रवेश करने की घटना हुई है। इससे सुरक्षा को लेकर और माहौल गर्मा गया है। विधानसभा में 44 सुरक्षाकर्मी तैनात है जिसमें 21 सीआरपीएफ के जवान हैं बाकी दिल्ली पुलिस के कर्मी हैं। इसके बाद भी इस तरीके की घटना हो जाना और अवैध रूप से घुसे व्यक्ति के 6 मिनट तक विधानसभा परिसर में रहना, यह बताता है कि सुरक्षा में कहीं न कहीं कमी जरूर है। इन्हीं सब मुद्दों को लेकर विधानसभा अध्यक्ष बैठक में सुरक्षा एजेंसियों के लोगों से चर्चा करेंगे। बताया जा रहा है कि सभी गेटों पर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए और प्रबंध किए जाने पर भी विचार किया जा सकता है।

न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में पाइपलाइन टूटी, पांच दिन से सड़क पर बर्बाद हो रहा पानी

दक्षिणी दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली स्थित न्यू फ्रेंड्स कालोनी के ए ब्लाक में क्षतिग्रस्त पाइपलाइन के चलते कई दिनों से लोग परेशान

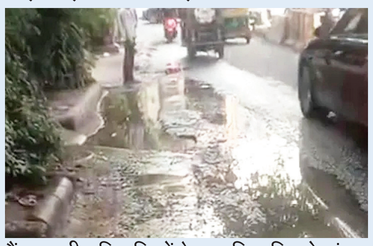

हैं। स्थानीय निवासियों के मुताबिक पिछले पांच दिनों से पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त है। इसकी वजह से पानी लगातार सड़क पर बहकर बर्बाद हो रहा है। एक तरफ जहां लीकेज की वजह से घरों में पानी का प्रेशर बेहद कम होने से लोग परेशानी झेल रहे हैं। वहीं दूसरी ओर सड़क पर जलभराव होने से आने-जाने वालों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों की शिकायत है कि क्षेत्र में पेयजल लाइनें 50 वर्ष से भी अधिक पुरानी हैं। इस कारण आए दिन पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने की परेशानी बनी रहती है। इससे कई बार घरों में दूषित पेयजल आपूर्ति का सामना भी करना पड़ता है। इसके अलावा लोगों को पानी की किल्लत से भी जूझना पड़ता है। पिछले पांच दिनों से पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से पेयजल सड़क पर बह रहा है। इसे लेकर दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों से शिकायतें की जा रही हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। सरकार से मांगी मदद क्षतिग्रस्त पाइपलाइन और पेयजल बर्बादी को लेकर स्थानीय आरडब्ल्यूए की ओर से एक्स पर वीडियो साझा कर समस्या के बारे में जानकारी दी गई है।

दिल्ली में वायु प्रदूषण से निपटने की तैयारी तेज

सड़कों पर 70 इलेक्ट्रिक रोड स्वीपिंग मशीनें उतारेगा एमसीडी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता का स्तर सुधार के लिए नगर निगम दो तरफा जंग लड़ने की तैयारी कर रहा है। इसमें दिल्ली सरकार के सहयोग से जहां 70 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनें (एमआरएस) आने से सड़कों से धूल हटाने का काम होगा तो वहीं इन वाहनों के डीजल के ईंधन की वजह से वायु प्रदूषण न हो इसका भी ख्याल होगा। इसके लिए एमसीडी 70 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों को इलेक्ट्रिक ईंधन युक्त खरीदेगी। सब कुछ ठीक ठाक रहा तो अक्टूबर में होने वाले वायु प्रदूषण के खराब स्तर से पहले यह वाहन एमसीडी के बेड़े में शामिल हो जाएंगे। एमसीडी ने इसके लिए तीन पैकेज बनाकर निविदाएं आमंत्रित की हैं। इसमें 1400 करोड़ की लागत से इन मशीनों को खरीदने का कार्य होगा। जिसमें ईलेक्ट्रिक मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों के साथ छह इलेक्ट्रिक वाटन टैंकर,24 इलेक्ट्रिक डस्ट डंपर, 140 इलेक्ट्रिक लिटर पिकर होंगे। दिल्ली के महापौर राजा

इकबाल सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सीएम रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली की ट्रिपल इंजन की सरकार हर उस मुद्दे के समाधान में लगी है जो कि पिछली सरकार ने पूरी तरह से नजरअंदाज किया।

उन्होंने दिल्ली में भाजपा की सरकार आने के बाद न केवल जो दिल्ली सरकार से अनुदान मिलना चाहिए वह तय अनुदान से ज्यादा मिल रहा है बल्कि विभिन्न परियोजनाओं के लिए भी फंड मिल रहा है। इसी कड़ी में एमसीडी 1415 करोड़ की दिल्ली सरकार की सहायता के साथ इलेक्ट्रिक मशीनों को अपने बेड़े में शामिल करने जा रहा है। हमने इसके लिए निविदा आमंत्रित कर दी है। महापौर ने कहा कि इन मशीनों के आने से दिल्ली की सड़कों पर धूल से होने वाले प्रदूषण और गंदगी को कम करन में सहायता मिलेगी। एमसीडी की योजना है कि इन सड़कों को लोक निर्माण विभाग की 60 फिट से अधिक चौड़ी सड़कों पर चलेगी। इसके बाद एमसीडी की जो मशीनें अभी है वह 30-60 फुट चौड़ी सड़कों पर चलेगी। फिलहाल एमसीडी की 58 मशीनें ही पीडब्ल्यूडी की 60 फिट से अधिक चौड़ी सड़कों पर चल रही हैं।

एमसीडी ने इन 70 मशीनों के संचालन की पूरी कार्ययोजना बना ली है। जिसे दिल्ली के तीन हिस्सों में बांटकर इन 70 मशीनों को पीडब्ल्यूडी के 1410 किलोमीटर सड़कों पर रात 11 बजे से सुबह सात बजे तक संचालित किया जाएगा।

इसमें नार्थ जोन में 575.8 किलोमीटर क्षेत्र में 28 एमआरएस नियुक्त की जाएगी तो वहीं 140 में 56 लिटर पिकर और दो इलेक्ट्रिक वाटर टैंकर के साथ ही 10 इलेक्ट्रिक डस्ट डंप वाहन (मलबा ले जाने वाले) होंगे।

इसी प्रकार दक्षिणी जोन 455.72 किलोमीटर क्षेत्र में 23 एमआरएस मशीनें 46 लिटर पिकर, 2 वाटर टैंकर और आठ इलेक्ट्रिक डंस्ट डंप होंगे वहीं पूर्वी जोन में 378.53 किलोमीटर इलाके में 19 एमआरएस, 38 इलेक्ट्रिक लिटर पिकर, दो वाटर टैंकर और छह डस्ट डंप वाहन तैनात किए जाएंगे। अधिकारियों के अनुसार छोटी सड़कों पर भी एमआरएस चलने से धूल के प्रदूषण में कमी आएगी क्योंकि अभी तक इन सड़कों पर मशीनें न आने की वजह से मशीनों से सफाई नहीं होती थी।

तुर्कमान गेट हिंसा: भड़काने के आरोपित साजिद इकबाल को नहीं मिली राहत, अदालत ने अग्रिम जमानत खारिज की

नई दिल्ली, एजेंसी। तीस हजारी स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत ने तुर्कमान गेट इलाके में जनवरी में हुए पथराव और हिंसा के मामले में भड़काने वाले आरोपित की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है।अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शिल्पी जैन ने आरोपित साजिद इकबाल की दूसरी अग्रिम जमानत अर्जी को खारिज करते हुए कहा कि आरोप गंभीर हैं और मामले की जांच के लिए उसकी कस्टोडियल पूछताछ जरूरी है। अदालत ने यह भी माना कि आरोपित ने जांच एजेंसी के साथ सहयोग नहीं किया। पुलिस ने पेश किए वाडियो साक्ष्य अदालत ने अपने आदेश में कहा कि आरोपित की भूमिका भीड़ को उकसाने और आक्रामक तरीके से नेतृत्व करने की रही है, जिसकी गहन जांच अभी बाकी है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि अन्य आरोपितों को मिली जमानत का लाभ साजिद इकबाल को नहीं दिया जा सकता, क्योंकि उसकी भूमिका अलग है। सुनवाई के दौरान पुलिस ने वीडियो साक्ष्य पेश किए, जिनमें आरोपित को मस्जिद की ओर जाते, बैरिकेड हटाते और इशारों से भीड़ को इकट्ठा करते हुए दिखाया गया। यह मामला रामलीला मैदान के

पास स्थित फैज-ए-इलाही मस्जिद के नजदीक छह जनवरी की रात अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान हुई झड़प से जुड़ा है। 20 आरोपियों को मिल चुकी है जमानत पुलिस के अनुसार, इंटरनेट मीडिया पर मस्जिद तोड़े जाने की अफवाह फैलने के बाद 150-200 लोगों की भीड़ जमा हो गई और पुलिस व निगम कर्मचारियों पर पथराव किया गया, जिसमें छह पुलिसकर्मी घायल हुए। इस मामले में अब तक 20 आरोपितों को नियमित जमानत मिल चुकी है। अदालत ने माना कि साजिद इकबाल की भूमिका और जांच की जरूरत को देखते हुए उसे इस समय राहत नहीं दी जा सकती।

दिल्ली पुलिस ने फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ कर 12 किए गिरफ्तार; बेचते थे फर्जी रोडसाइड असिस्टेंस पॉलिसी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट की एंटी-नारकोटिक्स सेल ने गुरु अर्जुन नगर में चल रहे एक फर्जी कॉल सेंटर को सफलतापूर्वक ध्वस्त कर दिया। इस सेंटर के जरिए आरोपी लोग 'आरडी सर्विसेस' नाम से फर्जी रोडसाइड असिस्टेंस पॉलिसी बेचकर लोगों से ठगी

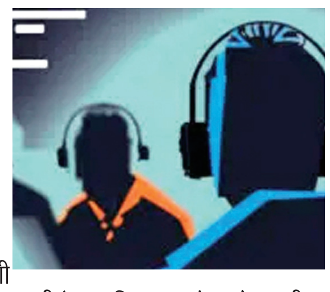

की जा रही थी। जानकारी के मुताबिक, 4 अप्रैल को रणजीत नगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र के गुरु अर्जुन नगर स्थित रतन लाल कॉम्प्लेक्स में छापेमारी की गई थी। इस दौरान दो मालिकों समेत 10 टेली-कॉलर्स को गिरफ्तार किया गया था। कुल 12 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस के अनुसार, इस सेंटर के प्रोपराइटर पांडव नगर निवासी सौरभ (28 वर्ष) और शादीपुर निवासी शाहनवाज (28 वर्ष) हैं। अंजलि (25), बालजीत नगर काशिश (21), न्यू रणजीत नगर रजनी (20), सकुरबस्ती गनमान (21), रणजीत पूजा (30), प्रेम नगर कविता (26), बालजीत नगर मंजू (20), बालजीत नगर रक्षा (22), इंदरलोक इमरान (20), इंदरलोक अनु (29), करोल बाग ठगी का तरीका आरोपी लोगों को फोन पर कॉल करके बताते थे कि उनके वाहन में कहीं भी पंचर, ब्रेकडाउन या किसी भी इमरजेंसी में तुरंत मदद मिलेगी। विश्वास दिलाने के लिए कैश ऑन डिलीवरी (ष्टह्रष्ठ) का ऑफर देते और तीन से चार हजार रुपये में प्लास्टिक पॉलिसी कार्ड घर पर डिलीवर करने का वादा करते। लेकिन पैसे लेने के बाद हेल्पलाइन नंबर (कीपैड मोबाइल) पर कॉल करने पर कोई जवाब नहीं मिलता और न ही कोई सहायता दी जाती ।यह फर्जी सेंटर पिछले 6 महीने से सक्रिय था। आरोपी लोगों के पास न तो कोई लाइसेंस था और न ही वैध रजिस्ट्रेशन।

गोवा नाइटक्लब अग्निकांड: जालसाजी मामले में लूथरा ब्रदर्स की याचिका पर कोर्ट आज सुनाएगी फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। गोवा नाइटक्लब में आग लगने के मामले में आरोपित सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा द्वारा जालसाजी के मामले में दायर याचिका पर गोवा की एक अदालत आठ अप्रैल को फैसला सुनाएगी। इस मामले में सोमवार को सुनवाई पूरी हो गई। एक सत्र अदालत ने हाल में उन्हें आग लगने के मामले में जमानत दे दी थी, लेकिन जालसाजी मामले के कारण वे हिरासत में हैं। लूथरा बंधु 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइटक्लब के मालिक हैं, जहां पिछले साल आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। घटना के बाद वे थाईलैंड भाग गए थे, लेकिन बाद में वहां से प्रत्यर्पित किए जाने के बाद उन्हें इस मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। इन दोनों पर अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) समेत फर्जी दस्तावेज का इस्तेमाल कर गोवा में नाइटक्लब संचालन के लिए अनुमति और आबकारी लाइसेंस हासिल करने का भी आरोप है।

दिल्ली-एनसीआर में शुरू हुई बारिश, दो दिन लगातार बरसेंगे बादल; आईएमडी ने जारी किया येलो अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। मौसमी उतार चढ़ाव के बीच एक नए पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते राष्ट्रीय राजधानी समेत एनसीआर के शहरों में मौसम फिर करवट लेने वाला है। मौसम विभाग ने मंगलवार और बुधवार दोनों ही दिनों के लिए तेज हवा के साथ हल्की वर्षा होने का पूर्वानुमान जताया है। इस बीच मंगलवार सुबह-सुबह दिल्ली-ह्रष्टक्रके कई इलाकों में बारिश शुरू हो गई। नोएडा में हल्की बूंदाबांदी से ऑफिस जाने वाले लोग भीगते दिखे तो वहीं फरीदाबाद में भी बूंदाबांदी के बीच बच्चे स्कूल जाते नजर आए।

तेज हवा चलने की संभावना: दोनों दिन न केवल बादल छाए रहेंगे बल्कि 30 से 50 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं के साथ हल्की वर्षा के कई दौर होंगे। मौसम के इस बदलाव से तापमान में भी तीन से पांच डिग्री तक की गिरावट संभावित है। दोनों ही दिन के लिए येलो अलर्ट भी जारी हो चुका है। इस बीच सोमवार को मौसम का मिश्रित मिजाज देखने को मिला।बादलों की आवाजाही के बीच धूप भी निकली रही। वर्षा कहीं नहीं हुई। अधिकतम तापमान सामान्य से 1.8 डिग्री कम 33.3 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से

2.3 डिग्री कम 17.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 80 से 27 प्रतिशत रिकार्ड हुआ। दूसरी ओर दिल्ली की वायु गुणवत्ता फिलहाल साफ ही चल रही है। सोमवार को राजधानी का एक्यूआइ 135 यानी ''मध्यम'' श्रेणी में दर्ज किया गया। एक दिन पूर्व रविवार को यह 134 और शनिवार को 137 रहा था। यानी हवा लगातार ''मध्यम'' श्रेणी में ही चल रही है और हाल फिलहाल इसमें अधिक बदलाव की संभावना भी नहीं है।

दिल्ली के कनॉट प्लेस रेस्तरां से चोरी करने वाला नाबालिग 12 घंटे में गिरफ्तार, 57 हजार रुपये बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी। कनॉट प्लेस के रेस्तरां से चोरी करने वाले नाबालिग की नई दिल्ली जिला पुलिस ने घटना के 12 घंटे के अंदर पकड़ लिया है। उसके घर से चुराई गई 57 हजार नकदी बरामद कर ली गई हैं। डीसीपी सचिन शर्मा का कहना है कि मंदिर मार्ग थाने की टीम ने घटना की

रिपोर्ट मिलने के 12 घंटे के भीतर ही रात में हुई चोरी के एक मामले को सुलझा लिया है और आरोपित द्वारा चुराई गई नकदी बरामद कर ली है। तीन अप्रैल को, कनॉट प्लेस स्थित कैफे टोमिनो रेस्टोरेंट के विशाल शर्मा ने शिकायत दर्ज कराई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनके प्रतिष्ठान के कैश काउंटर से 58,473 नकदी की चोरी हो गई है। कनॉट प्लेस थाना पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान, 90 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज प्राप्त की गई और उनका विश्लेषण किया गया। टीम ने संदिग्ध की गतिविधियों को ट्रैक करते हुए उसे सदर बाजार के स्वदेशी मार्केट इलाके से दबोच लिया।

मां के दूध में मौजूद प्रोटीन से होगा 'सूखी आंखों' का इलाज, दिल्ली एम्स ने किया क्लीनिकल ट्रायल

नई दिल्ली, एजेंसी। मोबाइल, लैपटॉप और टीवी स्क्रीन पर बढ़ती निर्भरता ने आंखों की समस्याओं को तेजी से बढ़ा दिया है। ड्राई आई डिजीज (डीईडी) यानी सूखी आंखों की समस्या अब केवल बुजुर्गों की नहीं रही, बल्कि बच्चों और युवाओं में भी आम होती जा रही है। आंखों में जलन, खुजली, चुभन, थकान और धुंधलापन ये लक्षण अब रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनते जा रहे हैं। अब तक इस समस्या का मुख्य इलाज आई ड्रॉप और आर्टिफिशियल टियर्स तक सीमित रहा है, जोकि अस्थायी राहत देते हैं। हालांकि, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के आरपी सेंटर फॉर आप्थेल्मिक साइंसेज के एक नए क्लीनिकल ट्रायल ने इलाज की दिशा बदलने के संकेत दिए हैं। इस ट्रायल में मां के दूध में पाए जाने वाले प्रोटीन से बनी दवा लैक्टोफेरिन के परिणाम उत्साववर्धक रहे हैं। ट्रायल से जुड़े डाक्टर मान रहे हैं कि लैक्टोफेरिन ड्राई आंखों के इलाज में रामबाण बन सकती है। डॉ. नम्रता शर्मा और डा. सुजाता शर्मा के नेतृत्व में किए गए ट्रायल में करीब 200 मरीजों को शामिल किया गया। इन्हें तीन महीने तक

दिन में दो बार 250 एमजी लैक्टोफेरिन टैबलेट दी गई। इसके बाद अगले छह महीने तक उनकी चिकित्सकीय निगरानी की गई। लैक्टोफेरिन लेने वाले मरीजों की आंखों की नमी में सुधार हुआ। आंसुओं की मात्रा और गुणवत्ता दोनों बेहतर हुई और सूखापन भी काफी हद तक कम हो गया। जलन, खुजली, चुभन और धुंधलापन में कमी आई।

आरपी सेंटर ने इस पर क्लीनिकल ट्रायल किया: शोधकर्ताओं ने कहा कि इस दवा को जापान में तैयार किया गया है और आरपी सेंटर ने इस पर क्लीनिकल ट्रायल किया है। इस पर किया गया परीक्षण साफ संकेत देता है कि ड्राई आई का इलाज अब सिर्फ आई ड्राप तक सीमित नहीं रहेगा। प्राकृतिक प्रोटीन आधारित उपचार भविष्य में ज्यादा प्रभावी और स्थायी समाधान दे सकते हैं। हालांकि, ट्रायल चरण में होने तथा ड्रग रेगुलेटरी की मंजूरी आदि की सरकारी औपचारिकताएं पूरी करने में और इसके आम लोगों तक पहुंचने में एक से डेढ़ वर्ष या उससे अधिक समय लग सकता है।

यह है लैक्टोफेरिन: लैक्टोफेरिन कोई कृत्रिम रसायन नहीं, बल्कि एक प्राकृतिक प्रोटीन है, जो मां के दूध में पाया जाता है और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है। लैक्टोफेरिन सिर्फ लक्षणों को दबाने के बजाय समस्या की जड़ सूजन और आंसू उत्पादन की कमी पर काम करता है। ट्रायल में अभी दवा का भी नाम यही रखा गया है। 2030 तक शहरी भारत की 45 प्रतिशत आबादी प्रभावित हो सकतीचिकित्सीय आकलन के अनुसार 2030 तक शहरी भारत की 45 प्रतिशत आबादी ड्राई आई डिजीज समस्या से प्रभावित हो सकती है। इसमें 21 से 40 वर्ष की उम्र के लोग सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे।

निर्माण कार्य में बाधा बनी जल बोर्ड की पाइपलाइन, काली घटा रोड पुलिया का काम अटका

पूर्वी दिल्ली, एजेंसी। करावल नगर की काली घटा रोड पुलिया का निर्माण कार्य दिल्ली जल बोर्ड की पाइपलाइन के कारण अटक गया है। निर्माण कार्य के शिलान्यास होने के साथ ही सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने करीब दस दिन पहले पुलिया को तोड़ दिया था। पुलिया के टूटने से स्थानीय लोग परेशान हैं। करावल नगर से मुस्तफाबाद जाने वाले रोड पर वाहनों का दबाव बढ़ गया है। लोगों को जाम का सामना करना पड़ रहा है। काली घटा रोड का निर्माण कार्य निगम कर रहा है। निगम अभी इस रोड पर नाले बना रहा है। जबकि हाइवे से जुड़ी पुलिया को सिंचाई विभाग बना रहा है। काली घटा रोड से शिव विहार, वेस्ट करावल नगर, सादतपुर, करावल नगर गांव के लोगों को खजूरी, लोनी जाना होता है तो वह इस पुलिया से जाते थे। स्थानीय लोगों का आरोप है कि अधिकारियों ने पुलिया को तोड़ दिया, इसके बाद उन्हें याद आया कि जल बोर्ड की

लाइन को दूसरी जगह स्थानांतरित करना है। काली घटा रोड से हाईवे पर जाने का रास्ता बंद हो गया है। पुलिया के टूट जाने से बहुत दिक्कत हो रही है। तीन किलोमीटर अतिरिक्त घूमना पड़ रहा है। अधिकारियों को पानी की लाइन के बारे में पहले से पता था, पहले उसी लाइन को ठीक करना था। उसके बाद पुलिया तोड़नी चाहिए थी।

अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों की लापरवाही की वजह से हजारों लोग रोज परेशान हो रहे हैं। काली घटा रोड की एक पुलिया के निर्माण का उद्घाटन एक महीना पहले मंत्री कपिल मिश्रा ने किया था। दस दिन पहले इस पुलिया को तोड़ भी दिया गया, निर्माण शुरू नहीं हुआ। हजारों लोग परेशान हैं। कई किलोमीटर घूमकर जाना पड़ रहा है। सिंचाई विभाग के अधिकारियों से बात की है। उन्होंने कहा है वह जल्द ही पानी को दूसरी जगह स्थानांतरित करेंगे और उसके बाद निर्माण कार्य शुरू करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

मेहंदी प्रतियोगिता के माध्यम से दिया जल गंगा संवर्धन अभियान का संदेश

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद नर्मदा पुरम के द्वारा कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशन में समस्त जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है इस अभियान में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं एवं उनके द्वारा अपने प्रयोगशाला ग्राम में कई तरह की जन जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। पानी की एक एक बूंद को सहेजने के लिए छात्रों के द्वारा समस्त जिले में सक्रिय भूमिका निभाई जा रही है इसी क्रम में रविवार मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम की नर्मदा पुरम की क्लास में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके माध्यम से जल संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया गया इस अवसर पर जन अभियान परिषद के परामर्शदाता, नवांकुर संस्था प्रतिनिधि उपस्थित रहे इस समस्त आयोजन में परामर्शदाता नीरज चतुर्वेदी, अभिषेक सैनी, विनीत यादव, राम मीना, राजेंद्र कुशवाहा के महत्वपूर्ण भूमिका रही। नवांकुर संस्था स्मार्ट एजुकेशन सोसाइटी के द्वारा पांच सर्वश्रेष्ठ विजेताओं को पुरस्कार वितरण किए गए।

पशुओं को खुरपका-मुंहपका रोग से बचाने के लिए किया गया टीकाकरण

सीहोर (निप्र)। वेटरनरी विभाग द्वारा जिले के ग्राम नीमटोन में पशुओं को खुरपका-मुंहपका (एफएमडी) रोग से सुरक्षित रखने के लिए पशुओं का एफएमडी टीकाकरण किया गया तथा रोग की निगरानी के उद्देश्य से प्री-वैक्सीनेशन सैंपल भी एकत्रित किए गए। विभागीय टीम ने पशुपालकों को पशुओं के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और समय-समय पर टीकाकरण कराने की सलाह दी। खुरपका-मुंहपका (एफएमडी) एक अत्यंत संक्रामक वायरल रोग है, जो गाय, भैंस, बकरी एवं अन्य खुर वाले पशुओं को प्रभावित करता है। इस रोग से पशुओं में बुखार, मुंह में छाले, खुरों में घाव तथा दूध उत्पादन में कमी जैसी समस्याएं होती हैं। एफएमडी वैक्सीनेशन इस रोग से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है, जिससे पशुओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और संक्रमण फैलने का खतरा कम होता है। नियमित टीकाकरण से पशुपालकों को आर्थिक नुकसान से भी बचाया जा सकता है।

जल गंगा संवर्धनअभियान के तहत निर्मित खेत तालाब बन रहा आर्थिक समृद्धि का आधार

रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले की सिलवानी जनपद पंचायत की सिंहपुरी उचेरा ग्राम पंचायत निवासी हितग्राही किसान श्री रामप्रसाद अहिरवार के खेत में जल गंगा संवर्धन अभियान -2025 अंतर्गत बनाया गया खेत तालाब श्री रामप्रसाद की आर्थिक समृद्धि का आधार बन रहा है। खेत तालाब बनने से पहले श्री रामप्रसाद अपनी तीन एकड़ असिंचित भूमि में सिंचाई के लिए पूर्णतः बारिश पर ही निर्भर थे और बमुश्किल एक फसल ही ले पाते थे ! जिससे उन्हें बहुत कम आय होती थी। लेकिन वर्ष 2025 में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत उनके खेत में 1.87 लाख रुपए लागत से खेत तालाब का निर्माण किया गया। जिसमें बारिश का पानी एकत्रित होने से अब वह दो फसल ले रहे हैं। इससे उनकी आमदनी में वृद्धि हुई तथा परिवार की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ हुई है। हितग्राही श्री रामप्रसाद बताते हैं कि 'तालाब बनने के बाद मेरे खेतों में पूरे वर्ष पर्याप्त पानी उपलब्ध रहता है, अब दो फसलें लेकर आमदनी बढ़ी है और जीवन में स्थायित्व आया है।' यह कार्य जल संरक्षण, कृषि उत्पादकता वृद्धि और ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ीकरण का उत्कृष्ट उदाहरण है।

कोई भी प्रभावित किसान फसल सर्वे में न छूटे, क्षति की रिपोर्ट बीमा पोर्टल पर भी दर्ज कराएं

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर बैतूल श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार जिले में ओलावृष्टि एवं वर्षा से प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे राजस्व, कृषि, पंचायत एवं उद्यानिकी विभाग के संयुक्त दल द्वारा किया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट ने मुलताई क्षेत्र के पबोट नंबर 7065514447 अथवा क्रॉप इंश्योरेंस एप के माध्यम से दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए किसान प्ले स्टोर से एप डाउनलोड कर लॉगिन करते हुए अपनी क्षति का विवरण दर्ज करें। यदि सूचना दर्ज करने में किसी प्रकार की समस्या आती है तो संबंधित कृषि विस्तार अधिकारी से संपर्क किया जा सकता है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी फसल क्षति की सूचना अनिवार्य रूप से 72 घंटे के भीतर दर्ज कराएं, ताकि समय पर राहत की कार्यवाही सुनिश्चित की ज्रभावित ग्रामों का दौरा कर फसल क्षति का निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीएम मुलताई श्री राजीव कहार, तहसीलदार श्री संजय बैरिया, सहायक यंत्री कृषि डॉ. प्रमोद मीणा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। अपर कलेक्टर श्रीमती जाट ने ग्राम परमंडल, करपा एवं चंदौरा में किसानों के खेतों में पहुंचकर गेहूं, गोभी, टमाटर एवं प्याज की फसलों में हुए नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने किसानों से संवाद कर आश्वस्त किया कि कोई भी प्रभावित किसान सर्वे से नहीं छूटेगा। राजस्व, कृषि एवं पंचायत विभाग के दल द्वारा व्यवस्थित सर्वे कर फसल क्षति राहत की कार्यवाही शीघ्र की जाएगी। उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत पंजीकृत किसानों से अपील की कि वे अपनी फसल क्षति की सूचना बीमा कंपनी के निर्धारित नंबर एवं पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं।

कृषक फसल क्षति की सूचना दें

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत बैतूल जिले के जिन किसानों की फसल जलभराव या अतिवृष्टि से प्रभावित हुई है , वे अपनी फसल क्षति की सूचना हेल्पलाइन नंबर 14447, व्हाट्सएप चैटा सके।

माखन लाल चतुर्वेदी ने अपने साहित्य के माध्यम से समाज को सही दिशा दिखाने का कार्य किया : मंत्री सारंग

मंत्री श्री सारंग माखनलाल चतुर्वेदी की जयंती एवं माखन नगर गौरव दिवस के कवि सम्मेलन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए

नर्मदापुरम (निप्र)। राष्ट्रकवि श्री माखनलाल चतुर्वेदी ने साहित्य की पूजा एवं सेवा करते हुए समाज को सही दिशा दिखाने का कार्य किया। हर कालखंड में साहित्य ने राजा महाराजाओं से लेकर समाज के हर तपके से लेकर सरकार तक को सही दिशा दिखाने में अपनी अहम भूमिका का निर्वहन किया है। इसके अग्रसर के रूप में राष्ट्रकवि माखनलाल चतुर्वेदी ने भी अपनी कविताओं एवं साहित्य के माध्यम से तत्कालीन समाज को जागरूक करने का कार्य किया था। उक्त बात प्रदेश के सहकारिता विभाग एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने माखन नगर में आयोजित राष्ट्रकवि पंडित श्री माखनलाल चतुर्वेदी की जयंती एवं माखन नगर गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित कवि सम्मेलन के कार्यक्रम में कहीं। मंत्री श्री सारंग ने कवि सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहां की महान राष्ट्रकवि पंडित माखनलाल चतुर्वेदी का योगदान समाज एवं भारतवर्ष को एक करने में रहा है, उन्होंने पंडित चतुर्वेदी को सादर श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उन्होंने समाज को एक नई दिशा दिखाने का महत्वपूर्ण कार्य किया था। मंत्री श्री सारंग ने कवि सम्मेलन में अपने कविताओं से लोगों का मनोरंजन करने वाले सभी कवियों को भी शुभकामनाएं दी एवं उनका आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर अपने देश एवं समाज के उत्थान के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ लगाएंगे और साहित्य हमेशा की तरह इस देश और समाज को सही दिशा दिखाने का कार्य हमेशा की तरह

करता रहेगा। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, विधायक सोहागपुर श्री विजयपाल सिंह, श्रीमती प्रीती शुक्ला, अपर कलेक्टर श्री अनिल जैन, एसडीएम श्री जय सोलंकी सहित अन्य जनप्रतिनिधि गण एवं अधिकारी गण तथा बड़ी संख्या में आम जनता उपस्थित रहे।देर रात तक आयोजित कवि सम्मेलन में हास्य कवि श्री सुरेंद्र शर्मा, श्री शशिकांत यादव, श्री नीलोत्पल मृणाल, रमेश विश्वहार, दिनेश देसी, अंकित सिंह, शशि भूषण सिंह ने भी कविता पाठ किया।

3प्रांतीय कुशवाहा समाज भोपाल- एडवोकेट कैलाश कुशवाहा पुन : जिला अध्यक्ष, डालचंद कुशवाहा महामंत्री निर्विरोध निर्वाचित

भोपाल। प्रांतीय कुशवाहा समाज, जिला भोपाल के अध्यक्ष एवं महामंत्री पद के लिए चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

इस दौरान कैलाश कुशवाहा (एडवोकेट) को पुनः निर्विरोध जिला अध्यक्ष चुना गया, जबकि डालचंद कुशवाहा महामंत्री पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए।

चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों में खुशी का माहौल रहा।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष योगेश मानसिंह कुशवाहा, संरक्षक नारायण सिंह कुशवाहा, पूर्व महामंत्री गोपाल सिंह कुशवाहा, मुरली कुशवाहा, आशीष कुशवाहा, लक्ष्मी नारायण कुशवाहा, महिला जिला अध्यक्ष ओमवती कुशवाहा, सुनील कुशवाहा एवं अन्य सामाजिक बंधुओं ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

समाज के वरिष्ठजनों ने विश्वास जताया कि नव निर्वाचित पदाधिकारी संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के साथ सामाजिक गतिविधियों को गति देंगे।

ई-उर्वरक वित्तरण प्रणाली से उर्वरक वितरण नही करने वाले 11 विक्रेताओं पर की गई कार्यवाही

02 के लाइसेंस निलंबित, 09 को कारण बताओ नोटिस जारी

सीहोर (निप्र)। कृषि विभाग द्वारा 01 एवं 02 अप्रैल के बीच ई-विकास पोर्टल के माध्यम से उर्वरक विक्रय नही करने वाले जिले के 11 विक्रेताओं पर कार्यवाही की गई है। इसमें 09 उर्वरक विक्रेताओं को कारण बताओं जारी कर 02 उर्वरक विक्रेताओं के लायसेंस निलंबित किये गये है। उल्लेखनीय है कि शासन के निर्देशानुसार किसानों को सुगम उर्वरक वितरण के लिए प्रदेश के साथ ही जिले में ई-उर्वरक वित्तरण प्रणाली लागू हो चुकी है। शासन द्वारा यह निर्देश दिए गए हैं कि उर्वरक का वितरण ई-विकास पोर्टल के माध्यम से ही किया जाए। कृषि विभाग द्वारा जिले के सभी उर्वरक विक्रेताओं को पुनः सूचित किया गया हैं कि किसी भी परिस्थिति में ई-विकास प्रणाली से बाहर उर्वरक विक्रय न करें। यदि कोई उर्वरक विक्रेता सूचना के उपरांत भी ई-विकास प्रणाली से बाहर उर्वरक विक्रय करता पाया गया तो उसके विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी।

जलगंगा संवर्धन अभियान के तहत चित्रकला एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता कराई की गई

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की सीएमसीएलडीपी की कक्षा में शासकीय महाविद्यालय में जलगंगा संवर्धन अभियान के तहत चित्रकला प्रतियोगिता संपन्न कराई गई। जिसमें जन अभियान परिषद के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विकासखंड समन्वयक श्री नरेन्द्र देशमुख ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान मध्य प्रदेश सरकार द्वारा जल संरक्षण और नदी पुनर्जीवन के लिए शुरू किया गया एक प्रमुख जन आंदोलन है, जो 19 मार्च से 30 जून 2026 तक संचालित है। इस अभियान का उद्देश्य तालाबों, कुओं, और बावड़ियों का कायाकल्प करना, नदियों को साफ करना और वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना है। यह जनभागीदारी से भू-जल स्तर बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। जन अभियान परिषद के विद्यार्थियों ने 'जल ही जीवन है' एवं ' जल संरक्षण' के इस महत्वपूर्ण विषय पर अपनी चित्रकला एवं रैली के माध्यम से आमजन तक जल संरक्षण का संदेश पहुंचाया गया।कार्यक्रम में विकासखण्ड समन्वयक नरेंद्र देशमुख, डॉ आई.एस. कनेस, नवांकुर संस्था प्रतिनिधि एवं पार्षद प्रतिनिधि सुरेश यादव, हरीश नामदेव, मनीष चतुर्वेदी, विपिन यादव, नीतिराज सिंह यादव, नीरज चतुर्वेदी, परामर्शदाता हर्ष तिवारी, राकेश कीर, पूनम मीना, मनीष यादव सहित बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

ई-टोकन से खाद वितरण में लापरवाही पर कलेक्टर ने वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी आमला को किया निलंबित

बैतूल (निप्र)। प्रदेश में उर्वरक वितरण को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन द्वारा ई-विकास पोर्टल के माध्यम से ई-टोकन प्रणाली लागू की गई है। शासन के निर्देशानुसार 1 अप्रैल 2026 से बिना ई-टोकन के उर्वरक विक्रय पर पूर्ण प्रतिबंध प्रभावी किया गया है। इसके बावजूद विकासखंड आमला में 7 खुदरा विक्रेताओं एवं 3 सहकारी समितियों द्वारा 42.805 मीट्रिक टन उर्वरक का विक्रय पीओएस मशीन के माध्यम से किया जाना सामने आया है। यह स्थिति उर्वरक वितरण व्यवस्था में निगरानी की गंभीर कमी और लापरवाही को दर्शाती है। प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर बैतूल श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने उप संचालक कृषि के प्रतिवेदन के आधार पर वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी आमला श्री गोपाल साहू को निलंबित कर दिया है। शासन निर्देशों की अवहेलना एवं कर्तव्य के प्रति उदासीनता को म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के अंतर्गत कदाचार मानते हुए, म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के तहत यह कार्रवाई तत्काल प्रभाव से की गई है। निलंबन अवधि के दौरान श्री साहू को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्रदान किया जाएगा। साथ ही उनका मुख्यालय अनुविभागीय अधिकारी, कृषि अनुभाग बैतूल नियत किया गया है।

ई-टोकन से खाद वितरण में लापरवाही पर 2 कैडर प्रबंधक भी निलंबित

इसी क्रम में ई-टोकन प्रणाली के तहत खाद वितरण में अनियमितता पाए जाने पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी के निर्देश पर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बैतूल के अंतर्गत अंधरिया एवं डगरिया के दो कैडर प्रबंधकों को भी निलंबित किया गया है। साथ ही जिले की सभी सहकारी संस्थाओं एवं निजी प्रतिष्ठानों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि उर्वरक का वितरण केवल ई-टोकन के माध्यम से ही सुनिश्चित किया जाए। निलंबन अवधि के दौरान संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्रदान किया जाएगा तथा उनके मुख्यालय नियमानुसार निर्धारित किए गए हैं।

'सेवा ही साधना: नर्मदा तट पर जागृत हुआ जनचेतना का दीप '

गुंजारी संगम बना आस्था, श्रम और संकल्प का जीवंत प्रतीक

संत दादा गुरु और प्रहलाद पटेल ने किया स्वच्छता एवं संगम का निरीक्षण

सीहोर (निप्र)। बुधनी की पावन धरा पर स्थित गुंजारी नर्मदा संगम घाट आज पुनः उस दिव्य अनुभूति का साक्षी बना, जहां श्रद्धा और सेवा एकाकार होकर जनचेतना का नया इतिहास रचती दिखाई दी। मां नर्मदा की शांत, कल-कल बहती धारा के सान्निध्य में जब जनप्रतिनिधि, संत और आमजन एक साथ श्रमदान में जुटे, तो वह दृश्य केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक जागरण का सजीव प्रतीक बन गया। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम विभाग के माननीय मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल का यह पुनः आगमन केवल औपचारिक निरीक्षण तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने स्वयं श्रमदान कर यह स्पष्ट किया कि सच्चा नेतृत्व वही है, जो अपने

आचरण से प्रेरणा देता है। उनके द्वारा किया गया श्रमदान जनसामान्य के लिए एक सशक्त संदेश बनकर उभरा। इस पावन अवसर पर नर्मदा परिक्रमा के तपस्वी, पूज्य दादा गुरु जी महाराज की गरिमामयी उपस्थिति ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण कर दिया। चार बार नर्मदा परिक्रमा पूर्ण कर चुके और केवल नर्मदा जल का सेवन करने वाले संत का संगम पर आगमन मानो स्वयं मां नर्मदा का आशीर्वाद प्रतीत हुआ। दादा गुरु जी महाराज ने संगम के समग्र विकास पर अपने विचार व्यक्त करते हुए इसे केवल एक भौतिक स्थल नहीं, बल्कि साधना, आत्मशुद्धि और आंतरिक जागरण का केंद्र बताया। उन्होंने कहा कि नदियां केवल जलधाराएं नहीं, बल्कि जीवन की आधारशिला हैं, जिनकी पवित्रता बनाए रखना हम सभी का धर्म है।साथ ही उन्होंने 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश सरकार, मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल एवं जनभागीदारी के संयुक्त प्रयासों से इस प्राचीन धरोहर को पुनर्जीवित किया जा रहा है, जो वर्षों से उपेक्षित एवं आच्छादित रही थी। आज उसी प्राचीन घाट पर जिस प्रकार स्वच्छता और विकास के कार्य गति पकड़ रहे हैं, वह वास्तव में अनुकरणीय है और अन्य स्थानों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा। मंत्री श्री पटेल ने भी स्पष्ट रूप से कहा कि नदियों का संरक्षण केवल शासन का दायित्व नहीं, बल्कि समाज की सामू चेतना का दर्पण है। उन्होंने स्वच्छता को अभियान से आगे बढ़ाकर जीवन का संस्कार बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उनके अनुसार, जब प्रत्येक व्यक्ति अपने कर्तव्यों को व्यक्तिगत जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार करेगा, तभी स्थायी परिवर्तन संभव हो सकेगा। उन्होंने संगम स्थल पर चल रहे स्वच्छता एवं संरक्षण कार्यों का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए, ताकि इस पावन स्थल का विकास निरंतर और सुव्यवस्थित रूप से आगे बढ़ता रहे। गुंजारी नर्मदा संगम घाट पर आज का यह आयोजन प्रशासन, आध्यात्म और जनसहभागिता का अद्भुत संगम बन गया। श्रमदान करते हाथ, संतों का आशीर्वाद और जनसमूह की सक्रिय भागीदारी–इन सभी ने मिलकर यह सिद्ध कर दिया कि जब सेवा को साधना का रूप मिलता है, तब परिवर्तन अवश्यंभावी हो जाता है। मां नर्मदा की पावन धारा के साक्ष्य में लिया गया यह संकल्प केवल वर्तमान के लिए नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ, सुंदर और संस्कारित धरोहर का वचन है। यह आयोजन हमें यह भी स्मरण कराता है कि प्रकृति की सेवा ही सच्ची पूजा है और जनसहभागिता ही उसका सबसे प्रभावी मार्ग है।

संपादकीय

खतरनाक मोड़ पर जंग, एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले से पूरी दुनिया चिंतित

अमेरिका-इस्राइल और ईरान जंग सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने से इतर अब पूरी तरह मूलभूत सुविधाओं को तबाह करने की तरफ मुड़ गई है। बीते 24 घंटे में दोनों पक्षों ने पुल, रिफाइनरी और एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले किए हैं। यह दुनिया के लिए बहुत बुरी खबर है।अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने बीते दिनों दावा किया कि उनकी ईरान की नई रेजीम के साथ अच्छी बात चल रही है। फिर देश के नाम संबोधन में उन्होंने ईरान को पाषाण युग में भेजने की धमकी दी और अब शांति के प्रयासों से हटकर बात तबाही पर आ गई है। अमेरिका ने तेहरान के पास एक पुल पर बम गिराया, तो ईरान ने कुवैत और श्व में एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर निशाना साधा। धमकी दी है कि वह पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी असेट्स को बर्बाद कर देगा।लेकिन इसमें नुकसान पूरी दुनिया का है। होर्मुज स्ट्रेट पर ईरानी नाकाबंदी की वजह से पहले ही लगभग 20 प्रतिशत ग्लोबल ऑयल सप्लाई कम हो गई है। माना जा रहा है कि अगर जंग रुकती है, तो सप्लाई को फिर से सामान्य करने में कुछ महीने लग सकते हैं। लेकिन, अगर एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले हुए, तो उससे उबरने में कई साल लग जाएंगे।कुवैत, कतर और सऊदी अरब की ऑयल-गैस फैसिलिटीज और ईरान की साउथ पार्स गैस फील्ड को पहले ही इस युद्ध में काफी नुकसान पहुंचा है। कतर के ऊर्जा मंत्री शेरिडा अल-काबी ने तो पिछले महीने कहा था कि उनके देश की निर्यात क्षमता 17 प्रतिशत तक कम हो सकती है। अभी देशों के पास अपना स्ट्रैटिजिक रिजर्व है और इंटरनैशनल एनर्जी एजेंसी की अपील पर सदस्य देशों ने भी ऑयल रिजर्व रिलीज करने पर हामी भरी है।वहीं भारत ने तेल मार्केटिंग कंपनियों को क्रूड ऑयल के बढ़ते दाम के दबाव से बचाने के लिए बीते दिनों एक्साइज ड्यूटी में कटौती की। लेकिन, अगर हमले जारी रहते हैं, तो सारे इमरजेंसी इंतजाम भी नाकाफी साबित होंगे। इस बीच, क्रूड ऑयल के 200 डॉलर प्रति बैरल तक जाने के अनुमान भी लगाए जा रहे हैं। खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्था तेल से जुड़ी है और उस तेल से कई देशों की अर्थव्यवस्था जुड़ती है। इसमें गड़बड़ी से मंदी और महंगाई की दोहरी मार पड़ेगी, जिसका असर भी दिखने लगा है। होर्मुज को खुलवाने के लिए कई देश मिलकर प्रयास कर रहे हैं। यह तो जरूरी है ही, जल्द ही यह युद्ध भी रुकना चाहिए।

रूस में बोल्शेविक क्रांति (1917) या उससे पूर्व फ्रांस की क्रांति (1789) आदि में क्रांतिकारी और प्रतिक्रांतिकारी, दोनों ताकतों के पास मजबूत बौद्धिक जमात थी। पर भारत की तस्वीर थोड़ी भिन्न है। हालांकि भाजपा क्रांति की बात न करती थी, न करती है, फिर भी इसकी बढ़त किसी रक्तहीन क्रांति से कम नहीं है। इसने राजनीतिक-वैचारिक दुर्गों को गिराने का काम किया है। राजनीतिक क्षितिज पर ऐसे कम नेता रहे हैं, जो धारणाओं के सृजन की क्षमता रखते हैं। इस दृष्टि से समकालीन वैश्विक पटल पर नरेंद्र मोदी अपवाद की तरह हैं, लेकिन इस बढ़त का एक और निर्णायक आयाम है, जो साधारणतया विश्लेषणों से नजरअंदाज होता रहा है।

हिंदी पट्टी से राष्ट्रीय फलक तक

भाजपा के विस्तार की बदलती राजनीति, बदलाव के पीछे की असली कहानी

(राकेश सिन्हा)

रूस में बोल्शेविक क्रांति (1917) या उससे पूर्व फ्रांस की क्रांति (1789) आदि में क्रांतिकारी और प्रतिक्रांतिकारी, दोनों ताकतों के पास मजबूत बौद्धिक जमात थी। पर भारत की तस्वीर थोड़ी भिन्न है।डेढ़ दशक पूर्व भारतीय जनता पार्टी के लिए विश्लेषकों द्वारा दो विशेषणों का प्रयोग किया जाता था- 'हिंदी क्षेत्र' और 'काउ बेल्ट' की पार्टी। दरअसल, पार्टी का मूल आधार उत्तर भारत के राज्यों तक सीमित था। दक्षिण भारत में कर्नाटक को छोड़कर इसकी उपस्थिति सांकेतिक थी, तो पूर्वोत्तर के राज्यों में शून्य। केरल, जहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की उपस्थिति रही है, पार्टी इसका लाभ लेने में असमर्थ थी और इसका वोट वामपंथी पार्टियों या कांग्रेस को हराने में अधिक उपयोगी समझा जाता था। आज स्थिति बदली है। केरल में भाजपा सड़क पर ही नहीं, संसदीय राजनीति में वास्तविक चुनौती बनती जा रही है।

तमिलनाडु में सांकेतिकता का युग खत्म हो गया है। भाजपा ने अपने समर्थन आधार और वैचारिक पकड़ को कई गुना बढ़ा लिया है। जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पश्चिम बंगाल से थे और यहां 'दीया के नीचे ही अंधेरा' की कहावत साबित हो रही थी। पर आज बंगाल में भाजपा सत्ता की प्रमुख दावेदारी के साथ चुनाव लड़ रही है। मगर सबसे गौरतलब इसकी पूर्वोत्तर के राज्यों में पहचान और प्रभाव हैं। इन तथ्यात्मक बातों से किसी की न असहमति हो सकती है, न अनभिज्ञता।

सबसे महत्त्वपूर्ण प्रश्न है कि आखिर यह बदलाव संभव कैसे हो पाया? यह मानना कि कांग्रेस की रिक्तता ने भाजपा को आगे बढ़ा दिया, एक सतही विश्लेषण है, क्योंकि भाजपा सिर्फ नाम से आगे नहीं बढ़ी है। यह एक शुद्ध वैचारिक पार्टी है। आगे बढ़ने में विचारधारा से इसने न तो समझौता किया है, न ही अपराधबोध दिखाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भाषण, भाजपा सरकार की नीति और कार्यक्रम इसके गवाह हैं। बल्कि यह वैचारिक आक्रामकता के साथ आगे बढ़ रही है। वे दिन बीत गए, जब पार्टी समान नागरिक कानून, धारा 370, गोहत्या निषेध, राम मंदिर या मुसलिम तुष्टिकरण जैसे प्रश्नों पर रक्षात्मक रहती थी और जब भी 'न्यूनतम साझा कार्यक्रम' बनाने की बात मित्र दलों के साथ होती थी, तब उन्हें ठंडे बस्ते में स्वेच्छा या बाध्यता में रख देती थी। वैसी 'स्वेच्छा' और 'बाध्यता' दोनों अब खत्म हो गई है।

नेतृत्व के दम पर बदलती राजनीतिक परिभाषा – जिन विचारों, प्रशिक्षण और मिशन के साथ यह हिंदी प्रदेशों की पार्टी थी, अब उन्हीं विचारों, प्रशिक्षण और मिशन के साथ यह कश्मीर से कन्याकुमारी तक की पार्टी बन गई है। इसलिए 'हिंदी क्षेत्र' या 'काउ बेल्ट' जैसे विशेषण पूर्व जन्म की कहानी जैसा हो गए हैं। इस विस्तार में नेतृत्व की अहम भूमिका है, क्योंकि प्रकारांतर से कांग्रेस-कम्युनिस्ट भले ही देश की राजनीति में कमजोर हो गए, पर शासन तंत्र, बौद्धिक जगत और विश्लेषकों की जमात में उनका मनोभाव आज भी विद्यमान है।

रूस में बोल्शेविक क्रांति (1917) या उससे पूर्व फ्रांस की क्रांति (1789) आदि में क्रांतिकारी और प्रतिक्रांतिकारी, दोनों ताकतों के पास मजबूत बौद्धिक जमात थी। पर भारत की तस्वीर थोड़ी भिन्न है। हालांकि भाजपा क्रांति की बात न करती थी, न करती है, फिर भी इसकी बढ़त किसी रक्तहीन क्रांति से कम नहीं है। इसने राजनीतिक-वैचारिक दुर्गों को गिराने का काम किया है। राजनीतिक क्षितिज पर ऐसे कम नेता रहे हैं, जो

धारणाओं के सृजन की क्षमता रखते हैं। इस दृष्टि से समकालीन वैश्विक पटल पर नरेंद्र मोदी अपवाद की तरह हैं, लेकिन इस बढ़त का एक और निर्णायक आयाम है, जो साधारणतया विश्लेषणों से नजरअंदाज होता रहा है। भारत की दलीय व्यवस्था संवैधानिक व्यवस्था के अंतर्गत है, पर विचारधाराएं जातीय व्यवस्था की तरह संकीर्णता का शिकार होती गई।

'सेकुलर गोत्र' और 'भगवा गोत्र'- दो विभाजन के साथ-साथ वैचारिक, क्षेत्रीय भाषायी और दलीय संकेतों तथा पहचान के प्रति आग्रह ने कार्यकर्ताओं की सोच तथा दृष्टि के फलक को छोटा बना दिया। सभी पार्टियां कमोबेश इसका शिकार रही हैं। यह दलीय व्यवस्था की स्वाभाविक कमजोरी होती है। नरेंद्र मोदी ने एक राजनीतिक सुधार को सहज तरीके से अंजाम दिया है। भाजपा के कार्यकर्ताओं को गणतंत्र से जुड़े सभी संकेतों, चाहे राष्ट्रगीत हो या तिरंगा झंडा या संविधान, सबको जनभावना से जोड़ने के लिए एक जीवंत उदाहरण बना दिया। संविधान सभा में भले ही 'हम भारत के लोग' के नाम पर सब कुछ किया गया और लोगों ने उसे स्वीकार भी किया, पर उस पर लोक भावना का प्रकटीकरण, लोक विमर्श और लोक अभियान नहीं हुआ था।

वर्ष 2014 के बाद से लगातार तिरंगा यात्रा, संविधान दिवस जैसे कार्यक्रमों ने वह किया, जिसे 1950-60 के दशकों में किया जाना चाहिए था। इसी क्रम में मोदी ने जन कल्याण से जुड़े सरकारी कार्यक्रमों से सामान्य कार्यकर्ताओं को जोड़ दिया। पार्टी इकाइयां जनधन, आयुष्मान, किसानों को मिलने वाली सहायता या गरीबों को मिल रहे अनाज का सर्वेक्षण करने, उसकी सफलता सुनिश्चित करने में लग गई पंडित नेहरू के आसपास स्वतंत्रता सेनानियों की बड़ी जमात थी। वे प्रशिक्षित भी थे, संघर्ष से उपजे आदर्शवादी भी। अगर उनका उपयोग होता, तो भारतीय राष्ट्रवाद और नेहरू का प्रशासन, दोनों लाभान्वित होते।

आज भाजपा की बढ़त सात समुद्र पार करने वाली 'हनुमान कूद' की तरह है। इस कूद ने पार्टी के विचार के क्षितिज का विस्तार कर कार्यकर्ताओं को बड़ी वैश्विक दृष्टि का हिस्सा बनाया, तो दूसरी तरफ गैरदलीय उपेक्षित नागरिकों को भाजपा के विचार और संगठन के अनुकूल बनाने का काम किया है। पर इसकी निरंतरता और मजबूती के लिए वैचारिक योद्धाओं की कमी दूर करना जितना आवश्यक है, उतना ही आवश्यक राजनीतिक गतिविधियों में जन सरोकार के आयाम को सुदृढ़ करना है। (यह लेखक के अपने विचार हैं)।

ताल तलैया का शहर और गोंडवाना कालीन का ऐतिहासिक धरोहर

सुज्जल दास / जबलपुरसंस्कारधानी जबलपुर, जिसे आज हम आधुनिक शहर के रूप में जानते हैं, प्राचीन काल में गोंडवाना राजाओं की नगरी के रूप में मशहूर था। उस समय यहां के राजा-महाराजाओं ने 52 तालाब और तलैयों का निर्माण कराया था। इन तालाबों से बारहों महीने सिंचाई होती थी और किसान सिंघा? की खेती करके अच्छी-खासी आमदनी कमाते थे। समय बीतने के साथ विकास कार्य ब?ते गए और इन तालाबों का अस्तित्व खतरे में प?ता गया। कभी 52 तालाबों वाले इस शहर में अब मात्र 36 तालाब ही शेष बचे हैं, जबकि 16 तालाब पूरी तरह मिट चुके हैं। जिन तालाबों का नामोनिशान तक मिट गया है, वहां आज कॉलोनियां ख?ी हो चुकी हैं या फिर वे कचरे के ढेर में तब्दील हो चुके हैं। गोपाल बाग तालाब अब कचरे का ढेर है, फूटा ताल पर मकान बन गए हैं, चेरीताल पर कॉलोनी ख?ी हो गई है। अधारताल के कटरा क्षेत्र का प्राचीन तालाब भी गायब होकर बस्ती में बदल चुका है। रानीताल में अब थो?ा-बहुत पानी बचा है, लेकिन वह भी गंदगी से लबालब है। नगर निगम ने तालाबों के संरक्षण पर करो?ों रुपए खर्च किए, लेकिन नतीजा सिवाय कुछ तालाबों (हनुमानताल, सपरताल, इमरती तालाब, अधारताल और गुलौआ तालाब) के सुधार के, बाकी अधिकतर तालाब आज भी उपेक्षा का शिकार हैं। महानंदा, गोपाल बाग और सूरज तालाब जैसे ऐतिहासिक जलस्रोत बदहाल स्थिति में हैं। सूख चुके लाल तलैयों पर भूमाफिया की नजर है, जो अवैध प्लॉटिंग कर इन्हें बेचने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि हाल ही में प्रशासन ने कार्रवाई जरूर की है, लेकिन कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया है। देवताल को सुसज्जित करने की योजना भी अधूरी ही प?ी है।

वर्तमान में जबलपुर के 36 तालाब प्रशासन के रिकॉर्ड में दर्ज हैं। यदि नगर निगम ठोस प्रयास करे तो इन ऐतिहासिक धरोहरों को पुनर्जीवित कर सकता है। इनका सौंदीकरण करके मोटरबोट और नाव विहार जैसी गतिविधियां शुरू की जा सकती हैं, जिससे पर्यटन को ब?ावा मिलेगा और शहर की पहचान भी बनेगी।

मनरेगा और नए तालाब बनाम ऐतिहासिक धरोहर ~मनरेगा योजना के तहत गांव-गांव नए तालाब तो खुदवाए जा रहे हैं, लेकिन जिन तालाबों का अस्तित्व सदियों से था, वे धीरे धीरे नष्ट हो रहे हैं। यदि मनरेगा जैसी योजनाओं का उपयोग पुराने तालाबों की सफाई और संरक्षण में किया जाए, तो संस्कारधानी की ऐतिहासिक धरोहर को सहेजा जा सकता है।

गोंडवाना काल में बने इन तालाबों का पानी कभी जनता की प्यास बुझाने और खेती के लिए अहम साधन था। आज जरूरत है कि इनकी सफाई, गहरीकरण और संरक्षण कर इन्हें फिर से जीवंत किया जाए।

शेष बचे तालाब और उनका रकबा (एक? में)

मा?ोताल-16.998
अधारताल 16.189
कंचनपुर भ?पुरा-2.145
गोकलपुर करौंदी-122.492
खंदारी जलाशय-157.804
हनुमानताल-63.31
रानीताल-10.250
गुलौआताल-2.898
शाहीताल-1.55
महाराज सागर-1.023
जानहाई-0.151
बंधाताल-2.793
कोलाताल-1.008
मछली तालाब 1.019
फूल सागर-0.672
म?फई तालाब-0.91
बक्सेरा तालाब-2.939
अवस्थी ताल-0.866
बालसागर-23.057
गुल्लू की तलैया-0.648
सग?ा ताल-1.574
रामनगर तालाब-8.68
संग्राम सागर-15.855
ठाकुर लाल बदनपुर-0.437
देवताल-1.053
सुपाताल-9.58
गंगासागर-18.636
गुरहा 1.619
जलपरी-0.35
ककरहाई तलैया-2.855
महानंदा-5.86
खंबताल-2.210

निष्कर्ष ~जबलपुर के ये तालाब केवल जलस्रोत ही नहीं, बल्कि शहर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर भी हैं। प्रशासन यदि सख्ती और जिम्मेदारी से काम करे, तो इन्हें बचाया जा सकता है। सवाल यही है कि इन गोंडवाना कालीन धरोहरों की जिम्मेदारी आखिर कौन उठाएगा-प्रशासन, समाज या फिर दोनों मिलकर?

(लेखक जबलपुर के स्वतंत्र पत्रकार हैं)

वर्ग पहेली 6055

1	2		3	■	4		5
6		■	7			■	
8		9		■		■	
■	■	10		11		12	
13	14	■	15		■		■
16		■	17		18	■	19
	■	20	■	21		22	
23				■	24		■

संकेतः बाएं से दाएं
1. 15 अगस्त को भारत के अतिरिक्त कांगों, नार्थ कोरिया, साऊथ कोरिया व इस देश में भी स्वाधीनता दिवस मनाया जाता है (4)
4. इस वृक्ष को छोटे-छोटे फलों से मदिरा निर्माण भी होता है (3)
6. मित्र, दोस्त, सखा, उपपति (2)
7. अरब का एक प्रसिद्ध शहर, ग्रांथिक रूप से इस अरबी शब्द का अर्थ शहर या नगर है (3)
8. अभ्यास पुस्तिका को अंग्रेजी में यह कहा जाता है (4)
10. नष्ट्र ध्वंस, बर्बाद (6)
13. चैन, राहत, आराम (2)
15. वह विस्फोटक पदार्थ जो ज्वालामुखी पर्वत से निकलता है (2)
16. श्रीराम की सेना का एक वानर (2)
17. कामिनी (3)
21. सबसे दोस्ती करने वाला (4)
23. जिसका नाम किसी बात आदि के लिए तय कर लिया हो (4)
24. हाथ, हस्त, महसूल, टैक्स (2)

ऊपर से नीचे
1. ठंडी हवा, पवन (3)
2. अक्षर, वर्ण (3)
3. स्वामीभक्त, उपकार मानने वाला, कृतज्ञ (6)
4. मनुहार, मनाने का काम (4)
5. अगल-बगल (4)
9. प्रतिमा, देवमूर्ति, कठोर हृदय, आकार (2)
11. प्रश्नात्क, प्रश्नपूर्ण, प्रश्नवाचक (4)
12. व्यक्तित्व, अस्तित्व, सामर्थ्य, शक्ति (2)
13. सुंदर नेत्रों वाली, पुराणानुसार महाराज जनक की पत्नी का यह नाम था (4)
14. दुष्ट, दुर्जन, अधम, नीच (2)
18. सद्गति प्राप्त करने वाला (3)
19. सेना को यह भी कहा जाता है (2)
20. जो दिन इस समय बीत रहा है, इस दिनों में (2)
22. दफा, मर्तबा, आधुनिक मद्यशाला (2)

वर्ग पहेली 6054 का हल

पा	कि	स्ता	न	■	अ	मे	ठी
र्थ	■	व	र	क	न्या	■	क
■	र	क	मी	■	य	दि	■
र	क्षा	■	■	जू	■	ल	क्ष्य
ह	क	■	आ	न	बा	न	■
न	व	नी	त	■	न	वा	ब
■	च	■	ति	थि	■	जी	न
■	■	जौ	■	र	क्त	■	ना

डर का बाजार या सच की लड़ाई- युद्ध, तेल संकट और 'अंकल सैम' के बयान से बनी दुनिया भर में बेचैनी

(सुधीश पचौरी)

पाकिस्तान का नाम आते ही अपना विपक्ष सत्ता पक्ष पर ताना मारने लगता है कि पाकिस्तान के मुकाबले विश्व गुरु कहां हैं... जबकि विदेश मंत्री संसद में दो टूक कह चुके हैं कि हम 'दलाल राष्ट' नहीं हैं।

हर दिन, हर पल अंकल सैम ही बोलते हैं। एक दिन कहते हैं, हम युद्ध जीत चुके हैं... फिर कहते हैं, मैं चाहूं तो

दो सेकंड में युद्ध बंद कर दूं। एक चैनल पर अर्थशास्त्री जेफरी - यह युद्ध तुरंत रुकना चाहिए। यह सारी दुनिया के लिए खतरनाक है। ट्रंप 'अस्थिर चित्त' आदमी हैं। जैसी बातें वे बोलते हैं, ऐसी बातें कोई अमेरिकी राष्ट्रपति आज तक नहीं बोला। दुनिया युद्ध का 'तमाशा' देख रही है। एक अन्य चैनल की चर्चा का विषय~इस युद्ध के केंद्र में 'धार्मिक पदावली' है। वीडियो में एक महिला बाइबिल पढ़ती हुई, उसका गुणगान करती हुई दिखती कि बाइबिल का 'शेर' गरज रहा है। साथ में 'टाम हाक' मिसाइल का इस्तेमाल करने का आह्वान करती हुई कहती है कि फरिश्ते आसमान से उतर रहे हैं।

एक चैनल - ईरान भी धार्मिक प्रतीकों का जम कर उपयोग कर रहा है। यह युद्ध यहूदी धर्म बरक्स इस्लाम धर्म के बीच भी है। कैथोलिक पोप- 'शांति शांति' यह बमबारी बंद हो। समझौता हो। शांति स्थापित हो। मगर शांति कहीं नजर नहीं आ रही। एक चैनल बताता है कि 'अंकल सैम' की लोकप्रियता कम होती जा रही है। अमेरिका के कई शहरों में 'नो किंग' के पोस्टर के साथ बड़े-बड़े प्रदर्शन हुए हैं। एक प्रदर्शन में हालीवुड के सितारे 'राबर्ट डी नीरो' भी दिखते हैं। कहा गया कि अंकल सैम खर्ग द्वीप पर अमेरिकी सैनिक उतारेंगे। द्वीप को ध्वस्त करेंगे। ईरान का जवाब- 'वेलकम टू हेल', यानी आइए जहन्नुम में, स्वागत है।

विशेषज्ञों ने अमेरिका को बताया चालाक – विशेषज्ञ एक सुर में कहते हैं कि क्या अमेरिका अपने सैनिकों को मरने के लिए भेजेगा कि अमेरिका ने ईरान की 'युद्ध क्षमता' को कम करके आंका कि अब वह अपनी ही चाल में फंस गया है और किसी तरह निकल भागना चाहता है। मगर ईरान निकलने देगा तब न! वह कह रहा है कि युद्ध अमेरिका ने शुरू किया, लेकिन खत्म हम करेंगे कि जब तक अमेरिका माफी नहीं मांगता, नुकसान की भरपाई नहीं करता, तब तक लड़ेंगे। युद्ध विशेषज्ञ डगलस मैकग्रेगर इस युद्ध की 'कीमत' बताते हैं कि जिस रास्ते युद्ध जा रहा है, उससे मंदी आ सकती है और यह अमेरिका को भी चोट पहुंचाएगा। फिर चैनलों पर खुसर-पुसर कि बातचीत शुरू है~कि नहीं है~कि पाक बात कर रहा है कि ईरान के अनुसार पाक कहीं नहीं है।

आज का राशिफल

मेष
आज का दिन व्यस्तता वाला रहेगा। आपके ऊपर आज काम का अतिरिक्त दबाव बना रहेगा। सितारे कहते हैं कि आज आप लोगों की मदद के लिए आगे बढ़ेंगे, लेकिन लोग आपकी उदारता को आपका स्वार्थ समझ सकते हैं।

वृष
आज का दिन सामान्य रहने वाला है। परिवार में कोई तनाव चल रहा है तो बातचीत के जरिए स्थिति को सुलझाना होगा। अधिकारी वर्ग से आपको प्रोत्साहन मिलेगा। कार्यस्थल पर आपकी जिम्मेदारियां बढ़ने से काम का दबाव भी बढ़ सकता है, जिससे आप मानसिक रूप से तनावग्रस्त रहेंगे।

मिथुन
आज का जातकों के लिए जिम्मेदारियां पूरी करने का रहेगा। आपको आज किसी जरूरी काम से यात्रा पर जाना पड़ सकता है। कठिनाइयों के बावजूद आज आप अपने किसी निर्णय से प्रसन्न रहेंगे। यदि परिवार का कोई सदस्य आपसे मदद मांगे तो आप उसकी मदद अवश्य करेंगे।

कर्क
आज का दिन जातकों के लिए परेशानियों भरा रहने वाला है। लेकिन आप संयम और समझदारी से स्थिति को संभालने में सफल रहेंगे। आपको एक से अधिक स्रोतों से आय की प्राप्ति होगी।

सिंह
आज का दिन जातकों के लिए खुशियों भरा रहने वाला है। भाग्य का आपको आज साथ मिलेगा। बिजनेस करने वाले लोगों को आज कोई बड़ी डील मिल सकती है जिससे मन आनंदित हो जाएगा। आपको एक के बाद एक अच्छी खबरें सुनने को मिल सकती हैं।

कन्या
आज का दिन जातकों के लिए मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। यदि आप अपनी दिनचर्या में कुछ बदलाव करते हैं तो यह आपके लिए कुछ परेशानियां ला सकता है। आपके लिए बेहतर होगा कि आज आप योजना बनाकर काम करें और काम की प्राथमिकता तय करें।

तुला
आज का जातकों के लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। आपको किसी बात की चिंता सता सकती है। लव लाइफ में अपने साथी के व्यवहार से परेशान रहेंगे, उनके कभी खट्टे तो कभी मीठे व्यवहार को समझ नहीं पाएंगे, जिससे दोनों के बीच कहासुनी हो सकती है।

वृश्चिक
जातकों के लिए नौकरीपेशा में दिन अच्छा रहने वाला है। अपने वरिष्ठों की बात मानने से आपको प्रमोशन या वेतन वृद्धि मिल सकती है। आपके लिए सितारे आज कहते हैं कि आपको किसी की मदद करने से पीछे नहीं हटना चाहिए।

धनु
आज आपको जल्दबाजी में कोई भी काम करने से बचना होगा। आपको सिर्फ दिखावे के लिए कोई काम नहीं करना चाहिए, नहीं तो आपसे गलती हो सकती है और अगर आप अपने किसी भी महत्वपूर्ण काम में ढिलाई बरतेंगे तो बाद में आपको पछताना पड़ेगा।

मकर
आज का दिन मकर राशि के लिए मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। आपको आज वरिष्ठजनों से सहयोग मिलेगा। आपने कोई मनोकामना की थी तो वह आज पूरी हो सकती है, जिसके चलते आज परिवार में किसी उत्सव का आयोजन हो सकता है।

कुंभ
आज का दिन जातकों के लिए अत्यंत फलदायी रहने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों को पद प्रभाव में वृद्धि से खुशी मिलेगी। आज काम के सिलसिले में आपको एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। यात्रा आपकी सफल और लाभदायक रहेगी।

मीन
आज का जातकों के लिए सामान्य रहने वाला है। आपको अपने फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखना चाहिए और केवल दूसरों को दिखाने के लिए बहुत अधिक विलासिता की वस्तुएं नहीं खरीदनी चाहिए, अन्यथा आपका बजट बिगड़ सकता है।

कैसे बनता है नया देश, क्या होती है इसकी प्रक्रिया

दुनियाभर में क़रीब 200 से अधिक देश हैं. इनमें से कुछ पुराने तो कुछ नए हैं. लेकिन नये देश बनने की प्रक्रिया इतनी भी सरल नहीं है. अगर कोई स्वतंत्र क्षेत्र खुद को स्वतंत्र देश घोषित करती है तो इसे दुनिया के बाकी देश आसानी से मान्यता नहीं देते. वर्तमान में दुनिया का सबसे नया अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त देश दक्षिण सूडान है, जिसने 9 जुलाई, 2011 को स्वतंत्रता की घोषणा की थी, बाद में ये संयुक्त राष्ट्र का सबसे नया सदस्य बना. आख़िर नया देश अस्तित्व में कैसे आता है, इसके क्या मानक होते हैं. जानते हैं कैसे बनता है नया देश, क्या होती है इसकी प्रक्रिया. नए देश के बनने में संयुक्त राष्ट्र का क्या रोल होता है, क्या होती है इसकी क़ानूनी प्रक्रिया?

क्या है इसका इतिहास?

26 दिसंबर 1933 को उरुग्वे की राजधानी में एक सम्मेलन हुआ था. इस सम्मेलन में किसी भी नये देश के बनने को लेकर कई मानक निर्धारित किये गये थे. इस दौरान मुख्य रूप से 4 शर्तों का ज़िक्र किया गया था, जिन्हें पूरा करने के बाद ही किसी नये देश को मान्यता दी जाएगी. इसके अलावा 'मोंटेवीडियो सम्मेलन' में ये भी तय किया गया था कि नये देश को संयुक्त राष्ट्र से मान्यता लेना भी अनिवार्य होगा. मतलब ये कि संयुक्त राष्ट्र की मान्यता के बिना हम उस जगह को नया देश नहीं मान सकते.

मोंटेवीडियो सम्मेलन की 4 शर्तें

नये देश की मान्यता के लिए किसी भी जगह पर एक स्थाई जनसंख्या का होना अनिवार्य है. इसका एक तय क्षेत्रफ़ल या ज्योग्राफ़िकल एरिया होना चाहिए. उस जगह पर कोई स्थाई सरकार या गवर्निंग बॉडी होनी चाहिए. आख़िरी शर्त ये है कि इस क्षेत्र का दूसरे राष्ट्रों से संबंध होना चाहिए या ये जगह आईसोलेटेड नहीं होनी चाहिए. संयुक्त राष्ट्र की इन 4 शर्तों के आधार पर ही किसी क्षेत्र को देश की मान्यता मिलती है.

इसके बाद भी नये देश को कई अन्य परीक्षाओं से गुजरना पड़ता है. इनमें से सबसे अहम दूसरे देशों से अच्छे संबंध बनाना है. अपनी स्वतंत्रता को क्लेम करने के लिए उसे दूसरे देशों के समक्ष ये भी साबित करना पड़ता है कि उसकी आंतरिक स्वतंत्रता पर किसी दूसरे देश का दखल नहीं है. दुनिया के सबसे नये देश के संबंध में भी कुछ ऐसा ही हुआ. इसे अर्धस्वतंत्र देश का दर्ज़ा काफ़ी पहले ही दे दिया गया था. लेकिन अब सवाल ये था कि ये पूर्ण स्वतंत्र देश कैसे हो. इसलिए वोटिंग कराई गई, जो किसी भी नये देश के बनने की ज़रूरी प्रक्रिया है. ऐसे में जनवरी 2011 में वोटिंग हुई. इस दौरान क़रीब 99 फ़ीसदी मतदाताओं ने दक्षिण सूडान को अलग देश बनाने पर मोहर लगाई. इसके कुछ ही समय बाद दक्षिण सूडान ने ख़ुद को स्वतंत्र देश घोषित कर दिया.

वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र में 5 परमानेंट मेंबर्स हैं. इनमें अमेरिका, चीन, रूस, ब्रिटेन और फ़्रांस शामिल हैं. अगर इन 5 देशों में से किसी एक देश ने वोटिंग से इंकार कर दिया तो उस देश को मान्यता नहीं दी जाती है. इन पांचों की सहमति के बाद ही किसी देश को मान्यता मिलती है. संयुक्त राष्ट्र से मान्यता के बाद United Monetary Fund और World Bank जैसी संस्थाएं भी उस देश को अपना सदस्य बना लेती ह

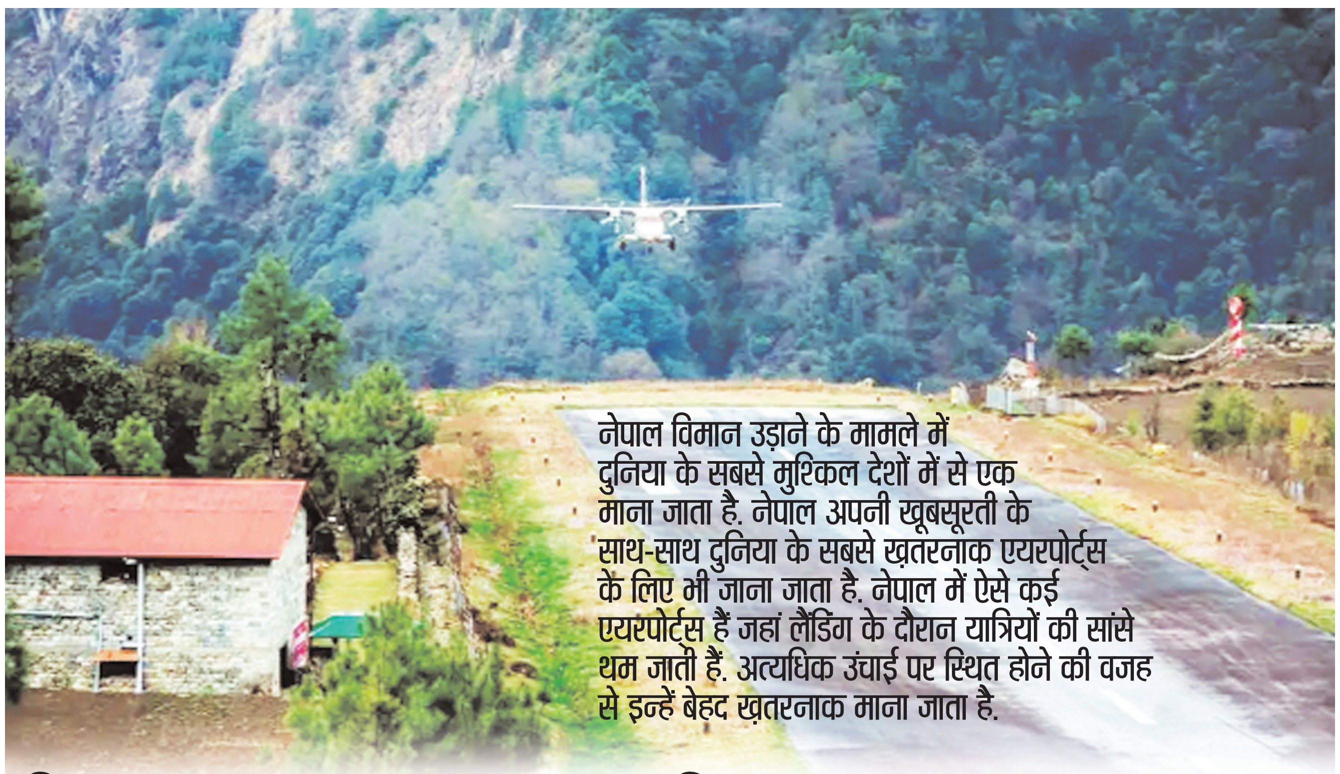

नेपाल विमान उड़ाने के मामले में दुनिया के सबसे मुश्किल देशों में से एक माना जाता है. नेपाल अपनी खूबसूरती के साथ-साथ दुनिया के सबसे ख़तरनाक एयरपोर्ट्स के लिए भी जाना जाता है. नेपाल में ऐसे कई एयरपोर्ट्स हैं जहां लैंडिंग के दौरान यात्रियों की सांसे थम जाती हैं. अत्यधिक उंचाई पर स्थित होने की वजह से इन्हें बेहद ख़तरनाक माना जाता है.

विमान उड़ाने के मामले में दुनिया के सबसे मुश्किल देशों में से है नेपाल

नेपाल के लुकला एयरपोर्ट (तेंजिंग हिलेरी एयरपोर्ट) को दुनिया का सबसे ख़तरनाक एयरपोर्ट माना जाता है. इसके रनवे के आसपास 600 मीटर की गहरी खाई है. नेपाल में विमान हादसे के कई कारण हैं. इनमें से कुछ भौगोलिक तो कुछ टेक्निकल कारण हैं. लेकिन नेपाल में विमान हादसों की बड़ी वजह वहां के ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और समुद्र तल से काफ़ी अधिक ऊंचाई पर स्थित एयरपोर्ट्स हैं. दरअसल, नेपाल में अधिकतर एयरपोर्ट्स हिल स्टेशनों पर बनाये गये हैं. इस दौरान पहाड़ों के बीच चट्टानों को काटकर रनवे बनाये गए हैं जो लैंडिंग और टेक ऑफ़ के समय बेहद ख़तरनाक बन जाते हैं.

मौसम है दूसरा सबसे बड़ा कारण

नेपाल में मौसम भी एक बड़ा कारण बना हुआ है जिसकी वजह से अनुभवी पायलटों को भी विमान उड़ाने में परेशानी होती है. नेपाल की नागरिक उड्डयन प्राधिकरण की 2019 की एयर सिक्योरिटी रिपोर्ट के मुताबिक़, नेपाल में मौसम पैटर्न की विविधता विमान संचालन के लिए सबसे बड़ी चुनौती में से एक है. मौसम की स्थिति ख़राब होने पर नेपाल के एयरपोर्ट्स से उड़ान भरना और लैंडिंग करना बेहद ख़तरनाक साबित होता है. देश में होने वाले विमान हादसों में बड़े विमानों की तुलना में छोटे विमानों की संख्या ज़्यादा है. ख़ासकर नेपाल में हेलीकॉप्टर हादसे सबसे अधिक होते हैं.

फ़ाइनेंशियल एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक़, नेपाल के अधिकांश पायलटों का कहना है कि खड़ी और संकरी हवाई पट्टी होने के कारण यहां विमान को नेविगेट करना बेहद मुश्किल होता है. यहां छोटे विमानों की लैंडिंग तो हो जाती है, लेकिन बड़े जेटलाइनर्स की लैंडिंग बेहद ख़तरनाक हो जाती है. हालांकि, नेपाल में अब तक जितने भी बड़े विमान हादसे हुये हैं वो छोटे विमान ही थे. इसके अलावा नेपाल के अधिकतर एयरपोर्ट्स पर रनवे की लंबाई कम होना भी हादसे का प्रमुख कारण बन रहा है. रनवे के एक तरफ़ पहाड़ और दूसरी तरफ़ खाई होने की वजह से लैंडिंग और टेक ऑफ़ में ख़ासी दिक्क़तें होती हैं. इसी के चलते इन क्षेत्रों में केवल अनुभवी और उच्च योग्यता वाले पायलटों को उड़ान की अनुमति दी जाती है. लेकिन नेपाल में पर्याप्त प्रशिक्षित एविएशन स्टाफ़ की भी कमी के साथ-साथ विमान सेवा को चलाने के लिए भी पर्याप्त स्टाफ़ नहीं है. इसके अलावा नेपाल में नए विमानों के लिए बुनियादी ढांचे की भी कमी है.

विमान हादसों के टेक्निकल कारण

नेपाल में विमान हादसों की सबसे बड़ी वजह इस्तेमाल हो रहे पुराने विमानों को बताया जा रहा है. नेपाल में आज भी 43 साल पुराने 'स्टोल विमान' उड़ाए जा रहे हैं. इन विमानों में मौसम बताने वाले आधुनिक रडार नहीं होते हैं. तकनीक के अभाव में स्टोल विमानों को नेपाल जैसी जगह पर उड़ना ख़तरनाक हो सकता है. इन विमानों में मौसम का सटीक पूर्वानुमान लगाने और आधुनिक उपकरणों का अभाव है.

नेपाली एयरलाइंस पर प्रतिबंध

साल 2013 में यूरोपीय संघ ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए नेपाल की सभी एयरलाइनों को अपने हवाई क्षेत्र में उड़ान भरने पर प्रतिबंध लगा दिया था. इसके अलावा यूरोपीय कमीशन ने भी नेपाली एयरलाइंस पर 28 देशों की उड़ान भरने पर प्रतिबंध लगाया था. काठमांडू पोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक़, नेपाल सरकार की विफ़लता के कारण देश के विमान यूरोपीय संघ की ब्लैकलिस्ट से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं.

अटलांटिक महासागर के रहस्य और रोमांचक तथ्य

पृथ्वी के 20 प्रतिशत हिस्से फैला हुआ है. यह प्रशांत महासागर के बाद दूसरा सबसे बड़ा महासागर है. इस महासागर में ज्वालामुखियो, तरह-तरह के जिव जन्तुओ और कई तरह के रहस्य छुपे हुए है जिसके बारे में वैज्ञानिक लगातार पता लगाने की कोशिश कर रहे है. अटलांटिक महासागर के दुनिया को कई सारी मछलियाँ देता है और इसके अन्दर हीरे भी छिपे हुए है.

- अटलांटिक महासागर के अन्दर कई तरह की रहस्यमई चीजें है. अटलांटिक महासागर के अन्दर कई सारी वनस्पतिया एसी है जो खुद के बल से ही चमकती है क्यूंकि इतने अन्दर तक तो सूर्य का प्रकाश पहुँच ही नहीं सकता है. यह अल्ट्रावायलेट रंग की चमक बिलकुल ही नेचुरल है.
- अटलांटिक महासागर में दुनिया के सभी महासागर की तुलना मे अधिक मात्रा में मछलिया पाई जाती है. पूरी दुनिया में सिर्फ प्रशांत महासागर और अटलांटिक महासागर में पाई जाने वाली टारपोन मछली भी यहाँ पाई जाती है जो बेहद ही खतरनाक है. यह मछली अपने शिकार पर 64 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से हमला करती है. यह मछली लगभग 2.5 मीटर लम्बी होती है.
- अटलांटिक महासागर को प्यासा महासागर भी कहा जाता है क्यूंकि यह दुनिया की कुछ बड़ी नदियो को अपने अन्दर समा लेता है जिसमे मिसिसिपी, अमेज़न नदी, कांगो, नाइजर, राइन, भूमध्य सागर की नदिया और बाल्टिक समुद्र में बहेने वाली सभी नदिया शामिल है.
- एन्साइक्लोपिडीया ब्रिटेनिका के अनुसार अटलांटिक महासागर का सबसे गहरा ज्ञात क्षेत्र Milwaukee Deep है जो महासागर के निचे 27, 841 फीट की गहराई पर मौजूद है. इसकी खोज सन 1939 में अमेरिका की मिल्वोकी नौसेना ने की थी और उन्होंने ही इस श्रृंखला का नाम रखा.
- अटलांटिक महासागर में एक एसा हिस्सा है, जिसके रहस्य से आज तक कोई भी पर्दा नहीं उठा पाया है. इस रहस्यमई जगह ने कई सारे जहाज़ो को अपने अंदर निगल लिया है जिसका नाम है Bermuda Triangle. यह त्रिभुज Miami, Bermuda और Puerto Rico से मिलकर बनता है.
- अटलांटिक महासागर की गहराई में एक विशाल पर्वत श्रृंखला है जिसका कुछ भाग बहार से भी दिखाई देता है. इस पर्वत श्रृंखला का नाम Mid-Atlantic Ridge है. इस श्रृंखला का ज्यादातर हिस्सा अटलांटिक महासागर के भीतर ही है.
- अटलांटिक महासागर में दुनिया के किसी भी महासागर से ज्यादा Tides यानि की ज्वार आती है. अटलांटिक महासागर के कनाडा के समुद्री हिस्से में मौजूद Nova Scotia के Bay of Fundy में दुनिया में सबसे ज्यादा ज्वार आती है. यह ज्वार इतनी बड़ी होती है की दुनिया की सभी मीठे पानी की नदियों की तुलना मे अधिक पानी से भर जाती है वो भी दिन में दो बार.
- अटलांटिक महासागर में कई तरह के द्वीप मौजूद है जिनको तीन भागों में रखा गया है.

Pure Oceanic Island – इस तरह के द्वीप ज्वालामुखियो की गतिविधियों के कारन बनते है. इस तरह के द्वीपों में शामिल है आइसलैंड, सेंट हेलेना, अजोरेस, गफ आदि.

Volcanic Island – इस तरह के आइलैंड समुद्र के किनारे पर ज्वालामुखियो की हलचल के कारन बनते है जिनमे लेसर एंटिलेस, ग्रेटर एंटिलेस जैसे द्वीप सामिल है.

Pure Continental Islands – यह एसे द्वीप होते है जिसके कुछ हिस्से पानी से भरे हुए नहीं होते है और कुछ हिस्से पानी से घिरे हुए होते है. इसमें ब्रिटिश द्वीप समूह, ग्रीनलैंड जैसे द्वीप सामिल है.

जापान का अनियन आईलैंड, यहां प्याज थीम पर म्यूजियम

प्याज अक्सर लोगों की आंखों में में आंसू लाने के लिए जानी जाती है। लेकिन जपान के आवाजी आईलैंड में ऐसी प्याज पाई जाती है, जो स्वाद में मीठी होती है। यह जगह अपनी विशेष किस्म की प्याज के लिए मशहूर है, यही वजह है कि इसे अनियन आईलैंड भी कहा जाता है। अवाजी की प्याज के मीठे होने का कारण यहां की धूप वाली जलवायु और ज्वालामुखी विस्फोट से बनी उपजाऊ मिट्टी है। मीठी प्याज की वजह से अब यह स्थान एक पर्यटन स्थल बन चुका है। इसलिए यहां पर अब प्याज की थीम पर म्यूजियम भी बनाया गया है। इसका नाम उत्सुनूका ओनारुतो ब्रिज मेमोरियल म्यूजियम है, जहां प्याज से बने कई उत्पाद जैसे स्नैक्स से लेकर बैंड-एड्स, कीचेन, टोट बैग, टेबलवेयर से लेकर कपड़े देखने को मिलते हैं।

1.4 गुना मीठी होती है यहां की प्याज अवाजी के प्याज सामान्य प्याज से 1.4 गुना अधिक मीठी होती है। इनमें दूसरी प्याज के मुकाबले अधिक नमी होती है। इससे ये नरम और कम तीखी होती है। इनका उपयोग सलाद में खाने के लिए किया जाता है। यहां प्याज की थीम पर पियानो, टेबल, व्हीकल जैसी चीजें भी बनाई गई है।

जर्मनी के गोटेब डैमलर को है पहली बार मोटरसाइकिल बनाने का श्रेय

मोटरसाइकिल से भी पहले साइकिल का आविष्कार हुआ। इसके दो पहिए थे। चालक उसपर बैठकर आज की तरह पैडल मारकर उसे नहीं चलाता था बल्कि उलटी दिशा की ओर पैर से जमीन पर धक्का देते हुए आगे बढ़ता था। यह सन 1800 के आसपास की बात है। उन दिनों इस तरह के साइकिल को हड्डीतोड़ भी कहा जाता था। इसका कारण था उनका असंतुलन और उसके कारण उसके सवार के गिरने पर चोट से हड्डियों का टूटना। इंजन के आविष्कार के बाद साइकिल से आगे कारवां बढ़ा।

पहली बार मोटरसाइकिल बनाने का श्रेय अधिकांश लोग जर्मनी के गोटेब डैमलर को देते हैं। उन्होंने यह मोटरसाइकिल सन 1885 में बनाई। इसमें दो पहिए थे। इसमें स्प्रिंग का प्रयोग भी किया गया था। इसे बनाने में लकड़ी का ज्यादा प्रयोग किया गया था। पहिए भी लकड़ी के ही थे जिसमें लोहे के उपयोग भी किया गया था। इसमें सिंगल सिलिंडर का इंजन का प्रयोग किया गया था।

इसके बाद सन 1894 में म्यूनिख की एक कंपनी हिल्देब्रांड एंड वूल्फम्यूलर ने एक मोटरसाइकिल बनाई। इसे एक सफल मोटरसाइकिल माना गया। इसमें तेल की टंकी नीचे की ओर थी। इसमें पहली बार एक चेसिस बनाने का प्रयास किया गया। इसके इंजन को ठंडा रखने का लिए वाटर कूल्ड सिस्टम का प्रयोग किया गया। इसके लिए पानी की टंकी की जगह भी मोटरसाइकिल में बनाई गई।

1895 में फ्रांस की एक कंपनी डी-डियोन ब्यूटन ने एक ऐसा इंजन बनाया, जिसने तहलका मचा दिया। उसने छोटा, हलका और फोर स्ट्रोक सिंगल सिलिंडर का इंजन बनाया। इसे चालू करने के लिए बैटरी और तारों का उपयोग किया गया। आधे हार्सपावर के इस इंजन ने मोटरसाइकिल के उत्पादन को आसान बना दिया। पर लोगों में इसकी लोकप्रियता 1910 के बाद बढ़ी। प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान सेना के हर विभाग ने मोटरसाइकिल का जमकर उपयोग किया। कहीं पर सूचना पहुंचानी हो या किसी को कहीं छोड़ना हो, मोटरसाइकिल हर मापदंड पर खरी उतरी। युद्ध के बाद इसका उपयोग खेलों में भी होने लगा। पर जल्दी ही लोग इससे ऊबने लगे। नयापन की कमी अथवा इसमें सुधार लाने में कंपनियों की कम रुचि के कारण लोग इससे दूर होने लगे। कंपनियों की समझ में आ गया कि लोगों को मोटरसाइकिल से बांधे रखने के लिए उसमें लगातार बदलाव की जरूरत है। कंपनियों के ध्यान देने पर मोटरसाइकिल की लोकप्रियता फिर बढ़ गई। पर उसका वजन कुछ लोगों को उसे अपनाने से दूर कर रहा था। ऐसे में पश्चिमी यूरोप और अमेरिका में साइकिलों में इंजन लगाकर उसे मोटरसाइकिल का रुप देने की कोशिश की गई। उनकी मेहनत रंग लाई 1950 के आसपास मोटरसाइकिल के छोटे रूप मोपेड का जन्म हुआ। इन्हें मोटरसाइकिल नहीं माना गया। अत: इसे चलाने के लिए लाइसेंस की जरूरत नहीं थी।लोगों ने इसमें सुधार करना जारी रखा और इटली के इंजीनियरों ने मोटर साइकिल को नया रूप दिया। उसके पहिए छोटे कर दिए गए। चालक के बैठने की आरादायक सीट बनाई गई। इंजन के नीचे लगाया गया, जो सीधे पहिए से जुड़ी रहती थी। इसे नया नाम दिया गया- स्कूटर। तब से मोटरसाइकिल के ये तीनों रूप नए रंगरूप में लगातार लोगों को लुभा रहे हैं। परंतु पसंद के मामले में मोटरसाइकिस आज भी सबसे आगे है। आज मोटरसाइकिल उत्पादन में होंडा, यामाहा और भारत की हीरो शीर्ष की तीन कंपनी हैं।

एयर इंडिया के सीईओ ने दिया इस्तीफा, कई चुनौतियों से जूझ रही एयरलाइंस

नईदिल्ली, एजेंसी। कैंपबेल विल्सन ने एयर इंडिया के सीईओ पद से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, वे तब तक कंपनी के साथ बने रहेंगे जब तक नए सीईओ की नियुक्ति नहीं हो जाती। हिन्दुस्तान टाइम्स ने यह खबर इस मामले की जानकारी रखने वाले चार लोगों के हवाले से दी है। यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब एयर इंडिया कई चुनौतियों से जूझ रही है, जैसे ऑपरेशन में दिक्कतें, बढ़ता खर्च और इस साल रिकॉर्ड नुकसान की आशंका। बोर्ड मीटिंग में मंजूर हुआ इस्तीफा एचटी के सूत्रों के मुताबिक,

विल्सन का इस्तीफा पिछले हफ्ते हुई बोर्ड मीटिंग में मंजूर कर लिया गया। मामले की जानकारी रखने वाले चार में से एक व्यक्ति ने बताया कि कैंपबेल नए सीइओ के आने तक, यानी संभवत: सितंबर तक, कंपनी में बने रहेंगे। उनका पांच साल का कार्यकाल अगले साल सितंबर में खत्म होना था, लेकिन वे एक साल पहले ही पद छोड़ रहे हैं। इस मामले पर एयर इंडिया ने कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। एचटी की खबर के मुताबिक नए सीइओ की तलाश जनवरी से ही शुरू हो गई थी, क्योंकि विल्सन ने अपना कार्यकाल खत्म होने के बाद आगे काम न करने की इच्छा जताई थी। विल्सन सितंबर 2022 में एयर इंडिया से जुड़े थे, जब कंपनी का प्राइवेटाइजेशन हो चुका था।

स्टॉक पिक्स: नायका, पीसी ज्वेलर, आईआरएफसी समेत 7 शेयरों में बड़ी हलचल की उम्मीद

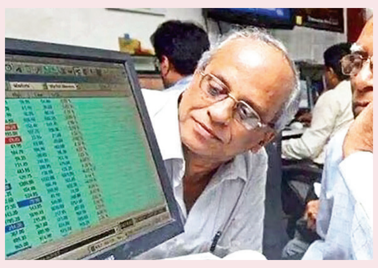

नईदिल्ली, एजेंसी। आज कार्पोरेट जगत से कई बड़ी खबरें हैं, जिनका असर आज शेयर मार्केट में संबंधित कंपनियों के शेयरों पर देखने को मिल सकता है। नायका, पीसी ज्वेलर, आईआरएफसी, टीटागढ़ रेल, अंबुजा सीमेंट, फिनो पेमेंट्स बैंक, एनएमडीसी जैसी कंपनियों के बड़े अपडेट्स से इनके शेयर आज फोकस में होंगे। आज के स्टॉक पिक्स : आज कार्पोरेट जगत से कई बड़ी खबरें हैं, जिनका असर आज शेयर मार्केट में संबंधित कंपनियों के शेयरों पर देखने को मिल सकता है। नायका, पीसी ज्वेलर, आईआरएफसी, टीटागढ़ रेल, अंबुजा सीमेंट, फिनो पेमेंट्स बैंक, एनएमडीसी जैसी कंपनियों के बड़े अपडेट्स से इनके शेयर आज फोकस में होंगे। ब्यूटी और फैशन रिटेलर नायका की पैरेंट कंपनी ने सोमवार देर रात स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि वह दीपिका पादुकोण के स्किनकेयर ब्रांड 82 में हिस्सेदारी खरीदने के लिए बातचीत कर रही है। इस अपडेट के बाद आज इसके शेयरों पर बाजार की नजर रहेगी। सोमवार को नायका के शेयर 2.59 प्रतिशत चढ़कर 252.36 रुपये पर बंद हुए थे। मार्च 2026 को समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में स्टैंडअलोन रेवेन्यू में सालाना आधार पर 32 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। कंपनी के अच्छे नतीजे आज निवेशकों को अपनी ओर आकर्षित कर सकते हैं। सोमवार को पीसी ज्वेलर के शेयर 3.65 प्रतिशत की तेजी के साथ 8.51 रुपये पर बंद हुए। रेल मंत्रालय के अधीन नवरत्न कंपनी ने महाराष्ट्र स्टेट पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड को 1,000 करोड़ का टर्म लोन दिया है। इस खबर का असर आज आईआरएफसी के शेयरों पर देखने को मिल सकता है।

29,000 करोड़ तक पहुंच सकता है टाटा का घाटा

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा को नए बिजनेस में बड़ा घाटा होने का अनुमान है। यह लॉस में 29,000 करोड़ तक पहुंच सकता है। घाटे का सबसे बड़ा हिस्सा एयर इंडिया से आ रहा है। वित्त वर्ष 2026 में इसका नुकसान 20,000 करोड़ तक पहुंच सकता है, जो पहले के अनुमान से कई गुना अधिक है।

टाटा संस के नए कारोबारों में बढ़ते घाटे ने ग्रुप के अंदर चिंता बढ़ा दी है। आंतरिक अनुमानों के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में इन बजनेसों का कुल घाटा करीब 29,000 करोड़ तक पहुंच सकता है, जो पहले के अनुमान 5,700 करोड़ से बहुत ज्यादा है। यह बढ़ता नुकसान अब समूह की रणनीति और निवेश फैसलों पर सवाल खड़े कर रहा है।

9 महीनों में ही 21,700 करोड़ पार: टाइम्स ऑफ इंडिया की खबर के मुताबिक वित्त वर्ष 2026 के पहले नौ महीनों में ही कुल घाटा 21,700 करोड़ तक पहुंच चुका है, जबकि पूरे वित्त वर्ष 2025 में यह 16,550 करोड़ था। इससे साफ है कि नुकसान का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। इस बढ़ते घाटे में सबसे बड़ा हाथ एयर इंडिया, टाटा डिजिटल, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और तेजस नेटवर्क जैसे नए बिजनेस से आ रहा है।

नए बिजनेस डुबो रहे लुटिया

नोएल टाटा की चिंता, बोर्ड स्तर पर बढ़ा दबाव: नोएल टाटा ने इन नए प्रोजेक्ट्स के बढ़ते घाटे को लेकर गंभीर चिंता जताई है। यही कारण रहा कि फरवरी में हुई बोर्ड बैठक में चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल को मंजूरी देने का फैसला टाल दिया गया। अब उम्मीद है कि जून की बैठक में घाटा कम करने की ठोस रणनीति पेश की जाएगी।

तेल की ऊंची कीमतें, पाकिस्तान एयरस्पेस का बंद होना और ग्लोबल टेंशन जैसे बाहरी कारणों ने कंपनी की लागत बढ़ा दी है। हालांकि, विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि सेवा सुधार की गति अभी भी अपेक्षा से धीमी है।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के सेमीकंडक्टर कारोबार में करीब 3,000 करोड़ के घाटे का अनुमान है। वहीं तेजस नेटवर्क्स, जो मुनाफे में थी, अब 1,000 करोड़ के नुकसान में जा सकती है। यह दिखाता है कि समूह के कई नए निवेश अभी शुरुआती चरण में हैं और उन्हें स्थिर होने में समय लगेगा।

टाटा डिजिटल बना सबसे बड़ी चिंता

टाटा ग्रुप का डिजिटल कारोबार, जिसमें बिग बॉस्केट, क्रोमा और टाटा क्लिक जैसे प्लेटफॉर्म शामिल हैं, अभी तक फायदे में नहीं आ पाया है। इस यूनिट का घाटा 5,000 करोड़ से ज्यादा रहने का अनुमान है, जबकि 9 महीनों में ही 3,750 करोड़ से अधिक का नुकसान हो चुका है। विशेषज्ञों का मानना है कि कमजोर ग्रोथ, लीडरशिप में बदलाव और प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले धीमी रणनीति इसके पीछे मुख्य कारण हैं। घाटे का सबसे बड़ा हिस्सा एयर इंडिया से आ रहा है। वित्त वर्ष 2026 में इसका नुकसान 20,000 करोड़ तक पहुंच सकता है, जो पहले के अनुमान से कई गुना अधिक है।

अंबानी को अरबों डॉलर का झटका, अडानी को फायदा

अमीरों में एक का घटा रुतबा तो दूसरे का बढ़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी को एक ही दिन में जहां 2.59 अरब डॉलर का झटका लगा है, वहीं अडानी ग्रुप के मालिक गौतम अडानी को 2.50 अरब डॉलर का फायदा हुआ है। दुनिया के अमीरों में एक का रुतबा घटा तो दूसरे का बढ़ गया। रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी को एक ही दिन में जहां 2.59 अरब डॉलर का झटका लगा है, वहीं अडानी ग्रुप के मालिक गौतम अडानी को 2.50 अरब डॉलर का फायदा हुआ है। दुनिया के अमीरों में एक का रुतबा घटा तो दूसरे का बढ़ गया।दरअसल दोनों के नेटवर्थ में हुए इस बदलाव का असर उनके ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स की रैंकिंग पर पड़ा है। अडानी 23वें से 22वें पर पहुंच गए हैं और अंबानी 18वें पोजीशन से 19वें पर आ गए हैं।

दरअसल सोमवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर सेंसेक्स टॉप लूजर रहे। अंबानी की बेंचमार्क कंपनी का यह शेयर 3.41 प्रतिशत टूटकर 1304.75 रुपये पर बंद हुआ। अंबानी के नेटवर्थ का बड़ा हिस्सा इन शेयरों से आता है। ऐसे में उनकी संपत्ति सोमवार को 2.59 अरब डॉलर कम होकर 88.4 अरब डॉलर रह गई। सोमवार को दौलत गंवाने वाले अरबपतियों में एलन मस्क के बाद मुकेश अंबानी ही थे। टेस्ला के एलन मस्क को 5.52 अरब डॉलर का झटका लगा था।

इसके उलट अडानी ग्रुप की अधिकतर कंपनियों के शेयरों में सोमवार को बढ़त देखने को मिली। इसका असर ये हुआ कि दुनिया के अमीरों की लिस्ट में अडानी का न केवल रुतबा बढ़ा, दौलत भी बढ़ गई। अब अडानी के पास 78.2 अरब डॉलर का नेटवर्थ है। सोमवार को जिन अमीरों की दौलत में उछाल आया, उनमें लैरी पेज पहले नंबर पर थे। उनकी दौलत में 2.87 अरब डॉलर की बढ़त हुई और अब उनका नेटवर्थ 257 अरब डॉलर हो गया है। इसके बाद जेफ बेजोस हैं। सोमवार को 2.62 अरब डॉलर की बढ़ोतरी के साथ अब इनका नेटवर्थ 235 अरब डॉलर हो गया है। सर्गी ब्रिन को 2.61 अरब डॉलर का फायदा हुआ और अब उनकी दौलत बढ़कर 239 अरब डॉलर हो गई है। गौतम अडानी को 2.50 अरब डॉलर का फायदा हुआ और इनकी दौलत 78.2 अरब डॉलर हो गई है। एलन मस्क को 5.52 अरब डॉलर की चोट पहुंची। वह सोमवार को टॉप लूजर रहे। इनका नेटवर्थ अब 630 अरब डॉलर रह गया है। इस लिस्ट में मुकेश अंबानी दूसरे नंबर पर हैं। इनका नेटवर्थ घटकर 88.4 अरब डॉलर रह गया है। जेंग युकुन को 2.17 अरब डॉलर का झटका लगा और अब इनका नेटवर्थ 60 अरब डॉलर रह गया है।

ईरान युद्ध के कारण एलपीजी का सप्लाई टाइट हुई है

छोटू एलपीजी सिलेंडर पर सरकार का बड़ा फैसला, सभी राज्यों में सप्लाई दोगुनी

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने राज्यों में प्रवासी श्रमिकों के लिए उपलब्ध 5 किलो के फ्री ट्रेड एलपीजी (एफटीएल) सिलेंडरों की रोजाना आपूर्ति को दोगुना करने का फैसला लिया है। ईरान युद्ध के कारण एलपीजी का सप्लाई टाइट हुई है। पेट्रोलियम मंत्रालय की ओर से जारी नोटिफिकेशन में बताया गया है कि राज्यों के लिए 5 किलो वाले सिलेंडर का कोटा दोगुना कर दिया गया है। इससे प्रवासी मजदूरों के साथ-साथ घर से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे छात्रों को भी फायदा होगा। मंत्रालय ने बताया कि छोटू सिलेंडर का यह बढ़ा हुआ आवंटन प्रवासी श्रमिकों को प्रदान की जाने वाली औसत दैनिक आपूर्ति पर आधारित होगा। यह संशोधित नया आवंटन सरकार द्वारा मार्च में घोषित की गई 20 प्रतिशत की पिछली सीमा के पार चला गया है। यानी अब पहले से कहीं ज्यादा सिलेंडर प्रवासी मजदूरों तक पहुंचाए जाएंगे। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि अतिरिक्त 5 किलो के एफटीएल सिलेंडर राज्य सरकारों और उनके खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभागों को उपलब्ध कराए जाएंगे। इनका वितरण सिर्फ प्रवासी मजदूरों के लिए होगा और इसमें ऑयल मार्केटिंग कंपनियां सहयोग करेंगी।

छोटू सिलेंडर फ्री ट्रेड एलपीजी कैटगरी में आता है। इसमें रेगुलर डोमेस्टिक एलपीजी कनेक्शन में आने वाली दिक्कतों को दूर किया गया है और यह आसानी से मिल जाता है। इस सिलेंडर को खरीदने के लिए आपको केवल अपनी पहचान का प्रूफ देना होता है। इसमें एड्रेस प्रूफ देने की जरूरत नहीं है। साथ ही कस्टमर को इसे रिफिल कराने के लिए एक ही डिस्ट्रीब्यूटर के पास जाने की जरूरत नहीं है। आप इस सिलेंडर को कहीं भी रिफिल करना सकते हैं। इंडेन डिस्ट्रीब्यूटर के साथ-साथ किराना स्टोर्स और ऑथराइज्ड आउटलेट से भी इसे भराया जा सकता है। एफटीएल कनेक्शन ऐसे जरूरतमंद लोगों को दिया जा सकता है जो नया डोमेस्टिक कनेक्शन नहीं ले सकते हैं। इससे प्रवासी मजदूरों, छात्रों और ऐसे प्रोफेशनल्स को फायदा होगा जिनके पास परमानेंट एड्रेस नहीं है। ऑल इंडिया डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन के प्रेजिडेंट चंद्र प्रकाश ने कहा कि यह प्रवासी मजदूरों के लिए बहुत अच्छा फैसला है। उन्होंने कहा, एफटीएल कनेक्शन ऐसे जरूरतमंद लोगों को दिया जा सकता है जो नया डोमेस्टिक कनेक्शन नहीं ले सकते हैं। इससे प्रवासी मजदूरों, छात्रों और ऐसे प्रोफेशनल्स को फायदा होगा जिनके पास परमानेंट एड्रेस नहीं है।

सोने से सुरक्षित निवेश का दर्जा छीन रहा अमेरिकी डॉलर

नईदिल्ली, एजेंसी। आमतौर पर संकट के समय लोग सोने में निवेश करते हैं, लेकिन इस बार बड़ी संख्या में निवेशक डॉलर को ज्यादा सुरक्षित मान रहे हैं। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने और ब्याज दरें ऊंची रहने से डॉलर मजबूत हुआ है, जबकि सोने में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया है। अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते दुनियाभर में सुरक्षित निवेश की रणनीति में बड़ा बदलाव देखा जा रहा है। आमतौर पर संकट के समय लोग सोने में निवेश करते हैं, लेकिन इस बार बड़ी संख्या में निवेशक डॉलर को ज्यादा सुरक्षित मान रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने और ब्याज दरें ऊंची रहने से डॉलर मजबूत हुआ है, जबकि सोने में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया है।

सोने की अहमियत कायम: जब तक कच्चे तेल की कीमत ऊंची बनी रहेगी, महंगाई का डर बना रहेगा और बॉन्ड यील्ड ऊंची रहेगी, तब तक डॉलर को सोने पर बढ़त मिल सकती है। लेकिन सोने की अहमियत खत्म नहीं होगी। संभव है थोड़े समय सोना कमजोर रहे, लेकिन लंबे समय में सोना आर्थिक संकट, मुद्रा कमजोरी और वैश्विक अस्थिरता के खिलाफ सुरक्षा देने वाला निवेश बना रहेगा।

युद्ध शुरू होने के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में पहले तेज उछाल आया था लेकिन बाद में 40 साल की ऐतिहासिक गिरावट भी देखी गई। सोना उच्चतम स्तर से अब तक करीब 15 प्रतिशत टूट चुका है।

इस साल इसने 5,595.51 डॉलर के ऑल टाइम हाई को छुआ था। अब फिसलकर 4700 डॉलर के करीब बना हुआ है। गिरावट ने कई निवेशकों को हैरान कर दिया है, क्योंकि खासकर वे लोग जो ऊंचे दाम पर निवेश करने आए थे, अब उन्हें खासा नुकसान हुआ है। डॉलर की मजबूती का सबसे बड़ा कारण पेट्रो-डॉलर प्रणाली है। दुनिया में कच्चे तेल का अधिकांश व्यापार डॉलर में होता है। तनाव ने तेल की आपूर्ति को बाधित किया है, खासकर होर्मुज जलमार्ग में लगातार रुकावट के कारण इसकी कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई है। इससे डॉलर की मांग काफी ज्यादा बढ़ गई है और यह महंगा हो गया है। इसका सीधा असर सोने की खरीदारी पर पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर के मजबूत होने से अन्य देशों के लिए सोना खरीदना महंगा हो गया है, जिससे इसकी मांग घटी है और और कीमतों में तेज गिरावट आई है। वर्ष 2025 में लगभग 10 प्रतिशत गिरने के बाद मार्च 2026 में डॉलर सूचकांक दो प्रतिशत से अधिक बढ़ गया है। अनिश्चितता के समय डॉलर अब भी दुनिया की सबसे मजबूत मुद्रा बना हुआ है।

टेक्सटाइल सेक्टर में बूम! 14 साल में 3 गुना बढ़ा बाजार, रिपोर्ट ने दिए बड़े संकेत

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत का कपड़ा और अपैरल बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है और इसकी झलक हाल ही में जारी रिपोर्ट में साफ दिखाई देती है। वस्त्र मंत्रालय के सर्वे के अनुसार, देश का टेक्सटाइल मार्केट 2024 में बढ़कर 14.95 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो 2010 में सिर्फ 4.89 लाख करोड़ रुपये था, यानी पिछले करीब 14 साल में इस सेक्टर ने शानदार ग्रोथ दिखाई है और यह हर साल औसतन 8.3 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। इस तेजी के पीछे सबसे बड़ी वजह घरेलू मांग में लगातार इजाफा है। जैसे-जैसे लोगों की आय बढ़ रही है और लाइफस्टाइल बदल रहा है, वैसे-वैसे कपड़ों पर खर्च भी बढ़ता जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, आज के समय में सिंथेटिक और मिक्स फाइबर वाले कपड़ों की मांग सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ी है। इनका कुल बाजार में हिस्सा 52.2 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जबकि कॉटन यानी सूती कपड़ों की हिस्सेदारी 41.2 प्रतिशत है। वहीं, सिल्क और ऊन जैसे रेगुलर फाइबर की हिस्सेदारी काफी कम है। खास बात यह है कि सिंथेटिक और मिक्स फाइबर का बाजार 2010 के 1.47 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में 4.47 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो उपभोक्ताओं की बदलती पसंद को दर्शाता है। लोग अब ऐसे कपड़े पसंद कर रहे हैं।

वंदे भारत के भोजन में फिर निकला कीड़ा !

ठेकेदार पर 10 लाख का जुर्माना और ठेका भी हुआ रद्द

अहमदाबाद, एजेंसी। भारतीय रेल की सबसे प्रतिष्ठित ट्रेन है वंदे भारत एक्सप्रेस। इस ट्रेन में भी अहमदाबाद से मुंबई जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस के क्या कहने। देश में चल रही तमाम वंदे भारत में इसे बेहद प्रतिष्ठित माना जाता है। लेकिन इस ट्रेन के भोजन में भी कीड़ा निकले तो आप क्या कहेंगे जी हां, 22962 वंदे भारत एक्सप्रेस के भोजन में कीड़ा मिलने की घटना सोशल मीडिया पर आई है। इस घटना से आहत आईआरसीटीसी ने उस ट्रेन के कैटरिंग ठेकेदार पर 10 लाख रुपये का जुर्माना ठोक दिया है। साथ ही टर्मिनेश का नोटिस भी सर्व कर दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आदित्य डिडवानिया ने इस वाकये को अपने हैंडल पर शेयर किया है। उसने लिखा है कि उनके कोच में कम से कम दो व्यक्ति के भोजन में कीड़ा निकला। इसके बाद पीड़ित यात्रियों के साथ साथ अन्य यात्रियों ने परोसे गए भोजन को खाना बंद कर दिया।

ट्रेन का कैटरिंग ठेकेदार कौन: डिडवानिया ने अपने पोस्ट में बताया है कि इस ट्रेन का कैटरिंग ठेकेदार या लाइसेंसी कंपनी मेसर्स ब्रंदावन फूड प्रोडक्ट्स है। यह रेलवे के सबसे बड़े कैटरिंग ठेकेदार आरके अग्रवाल ग्रुप की कंपनी है। उस यात्री ने भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, रेल मंत्रालय और भारतीय रेलवे कैटरिंग और टूरिज्म कॉर्पोरेशन आदि को टैग करते हुए इस कैटरिंग ठेकेदार के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की।

ठेका रद्द हो: वह लिखते हैं 'बस एक ही विनती है, उस ठेकेदार के यहां छापा मारें। मुझे विश्वास है कि उनके यहां के मानकों के अनुरूप भोजन नहीं बन रहा होगा। यदि ठेकेदार की गलती है तो उसका लाइसेंस रद्द करें।' आगे उन्होंने लिखा है 'उम्मीद है कि यह मामला रिश्वत लेकर रफा-दफा नहीं होगा। '

आईआरसीटीसी ने किया टर्मिनेट: इसी पोस्ट का जवाब देते हुए सरकारी कंपनी आईआरसीटीसी ने लिखा है, 'सर, असुविधा के लिए खेद है। इस मामले को को देखा गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए ठेकेदार पर 10 लाख रुपये का जुर्माना ठोका गया है। साथ ही सर्विस प्रोवाइडर को टर्मिनेशन नोटिस भी जारी किया गया है।

फ्यूचर लाइफस्टाइल केस में बड़ा ट्विस्ट! कंपनी को मिली बड़ी राहत, 3 महीने में खत्म होगी दिवाला प्रक्रिया

नईदिल्ली, एजेंसी। रिटेल सेक्टर की प्रमुख कंपनी फ्यूचर लाइफस्टाइल फैशन्स लिमिटेड से जुड़े एक अहम मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। न्यायाधिकरण ने निर्देश दिया है कि कंपनी की दिवाला समाधान प्रक्रिया को अब तीन महीने के भीतर पूरा किया जाए, ताकि लंबे समय से चल रही इस प्रक्रिया को जल्द खत्म किया जा सके। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब कंपनी पहले ही वित्तीय संकट से जूझ रही है और इसके भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। आइए जरा विस्तार से इसकी डिटेल्स जानते हैं।

दरअसल, इस मामले में एक लेनदार ने कंपनी की एक लीज (पट्टे) वाली संपत्ति को खाली कराने की मांग की थी, लेकिन राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण ने इस अपील को खारिज कर दिया। अदालत ने साफ कहा कि फिलहाल उस संपत्ति पर रेजुलेशन प्रोफेशनल का कब्जा है और इसे खाली नहीं कराया जा सकता। यह संपत्ति कंपनी के लिए बेहद अहम है, क्योंकि यहीं से उसका प्रमुख 'सेंट्रल' ब्रांड संचालित हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, कंपनी के कुल कारोबार का 80 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा इसी एक लोकेशन से आता है।

न्यायमूर्ति योगेश खन्ना और अजय दास मेहरोत्रा की पीठ ने अपने आदेश में यह भी कहा कि कंपनी को एक चलती यूनिट के रूप में बनाए रखने के लिए इस संपत्ति का उसके पास रहना जरूरी है। अगर यह संपत्ति कंपनी के हाथ से निकल जाती है, तो उसकी संचालन क्षमता पर बड़ा असर पड़ सकता है और दिवाला प्रक्रिया भी प्रभावित हो सकती है। इसलिए अदालत ने संतुलन बनाते हुए संपत्ति को कंपनी के पास रखने का फैसला दिया। इसके साथ ही नेशनल

कंपनी लॉ एपिलेट ट्रिब्यूनल ने राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण और समाधान पेशेवर को निर्देश दिया कि वे इस पूरी प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाएं और तीन महीने के भीतर इसे पूरा करने की कोशिश करें। यह कदम इसलिए भी अहम है, क्योंकि दिवाला प्रक्रिया में देरी से कंपनी की वैल्यू कम होती है और लेनदारों को नुकसान उठाना पड़ सकता है।

गौरतलब है कि फ्यूचर लाइफस्टाइल फैशन्स लिमिटेड कभी फ्यूचर ग्रुप का एक मजबूत हिस्सा हुआ करती थी, जो सेंट्रल और ब्रांड फैक्ट्री जैसे बड़े रिटेल ब्रांड्स का संचालन करती थी।

कप्तान के तौर पर ईशान किशन जबरदस्त रहे हैं, वह सलाह भी मांगते हैं : हेनरिक क्लासेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के बड़े-बड़े शॉट लगाने वाले बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने कप्तान ईशान किशन की जमकर तारीफ की है। उन्होंने किशन को एक बेहतरीन कप्तान बताया और कहा कि जिस तरह से टीम इस युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज का साथ देती है, वह 'बस जबरदस्त' है। इसके अलावा फैसले लेने में उनकी शांति और टीम में मौजूद अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा करने की उनकी इच्छा भी काबिले-तारीफ है।

किशन को एसआरएच का अंतरिम कप्तान बनाया गया था क्योंकि नियमित कप्तान पैट कमिंस कमर की चोट से उबरने की वजह से शुरुआती मैचों के लिए उपलब्ध नहीं थे। उनकी कप्तानी में एसआरएच ने एक मैच जीता है, जबकि दो मैच हारे हैं और पॉइंट्स टेबल पर 5वें स्थान पर है।

क्लासेन ने कहा, देखिए, मुझे लगता है कि अब तक वह बहुत बढ़िया रहे हैं। वह ऐसे इंसान हैं जो सलाह मांगते हैं। जैसा कि मैंने कहा, हमारे ड्रेसिंग रूम में बहुत अनुभव है। इसलिए वह उस अनुभव का फायदा भी उठाते हैं। लेकिन उनके फैसले लेने का तरीका, जिस तरह से वह गेंदबाजों को बदलते हैं और जिस तरह से टीम उनकी बात सुनती है, वह अब तक बस जबरदस्त रहा है।

उन्होंने कहा, तो जैसा कि मैंने कहा कि टीम बहुत अच्छे हाथों में है और अच्छी बात यह है कि वह बिल्कुल भी घमंडी इंसान नहीं हैं, जिससे चीजें काफी आसान हो जाती हैं। उनकी कप्तानी में खेलना सच में बहुत मजेदार होता है। इसलिए बीच-बीच में काफी मजाक-मस्ती होती रहती है ताकि माहौल ज्यादा गंभीर न हो जाए, क्योंकि मुझे लगता है कि यह माहौल कभी-कभी खेलने के लिए काफी मुश्किल हो सकता है।क्लासेने ने कहा, मुझे लगता है कि वह बहुत बढ़िया रहे हैं और घरेलू क्रिकेट में भी उन्हें काफी सफलता मिली है। मुझे लगता है कि उनकी घरेलू टीम ने एक टूर्नामेंट जीता था (झारखंड ने उनकी कप्तानी में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफ़ी जीती थी)। तो इस मामले में उनके पास काफी अनुभव है। लेकिन अब तक, मुझे उनकी कप्तानी में सच में बहुत मजा आया है और वह अब तक जबरदस्त रहे हैं।

आज गुजरात के खिलाफ दिल्ली के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर रहेगी नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स को अगर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी मजबूती बनाए रखना है तो बुधवार को यहां होने वाले मैच में गुजरात टाइटंस की लड़खड़ाती टीम के खिलाफ केएल राहुल की अगुवाई वाले उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

दिल्ली कैपिटल्स ने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे वह पिछले कुछ मैच जीतने में सफल रही। बल्लेबाजी में उसकी तरफ से 22 वर्षीय समीर रिजवी ने अधिक जिम्मा संभाला है। इस युवा बल्लेबाज ने अपने धैर्य और कौशल का शानदार नमूना पेश करके प्रभावित किया है। अगर राहुल और शीर्ष क्रम के अन्य बल्लेबाज लय में आ जाते हैं, तो दिल्ली कैपिटल्स और भी मजबूत टीम बन जाएगी।

राहुल अपनी शुरुआती दो पारियों में जिस तरह से आउट हुए हैं, उसके लिए उन्हें दोषी नहीं ठहराया जा सकता और वह किसी भी समय बड़ी पारी खेल सकते हैं। तीसरे नंबर पर हालांकि नीतीश राणा असफल रहे हैं और लग रहा है कि वह इस नंबर पर ज्यादा दबाव महसूस कर रहे हैं। श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका ने यहां पिछले मैच में अपनी लय हासिल कर ली थी, जिससे उन्हें पावरप्ले में गुजरात टाइटन्स के तेज गेंदबाजों कैगिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज की जोड़ी का सामना करने के लिए जरूरी आत्मविश्वास मिलेगा।

आईपीएल में लगातार तीसरा अर्धशतक (एक अर्धशतक पिछले सत्र के अपने आखिरी मैच में लगाया था) लगाने वाले रिजवी आक्रामक फॉर्म में हैं। उनमें स्पिनरों की जमकर धुनाई करने की क्षमता तो पहले से थी ही, लेकिन अब वह तेज गेंदबाजों को भी नहीं बख्श रहे हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिछले मैच में उन्होंने पारी के शुरू में संयमित रवैया अपनाया लेकिन बाद में उन्होंने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करके अपनी टीम को आसान जीत दिलाई। दिल्ली की तरफ से गेंदबाजों में मुकेश कुमार ने अब तक शानदार प्रदर्शन किया है, वहीं कप्तान अक्षर पटेल पावरप्ले और बीच के ओवरों दोनों में प्रभावी रहे हैं।

लुंगी एनगिडी ने दिल्ली की गेंदबाजी इकाई को मजबूती प्रदान की है, जिसमें टी नटराजन और कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव भी शामिल हैं। इसके विपरीत गुजरात टाइटन्स एक ऐसी टीम है जो दोनों विभाग में लड़खड़ा रही है। गुजरात टाइटन्स अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर जरूर से ज्यादा निर्भर नजर आ रही है और उसका मध्यक्रम नहीं चल पा रहा है। गुजरात टाइटन्स को अपने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 205 रन का लक्ष्य से हासिल कर लेना चाहिए था, लेकिन सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन से मिली अच्छी शुरुआत का मध्यक्रम के बल्लेबाज फायदा नहीं उठा सके। ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया जैसे मध्यक्रम के बल्लेबाजों को दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत है। कप्तान शुभमन गिल मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पिछला मैच नहीं खेल पाए थे, लेकिन कार्यवाहक कप्तान राशिद खान ने कहा कि दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच के लिए वह पूरी तरह से फिट हो जाएंगे।

टीमें

दिल्ली कैपिटल्स – अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, करुण नायर, केएल राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, माधव तिवारी, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, बेन डकेट, औकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, साहिल पारख।

गुजरात टाइटंस – शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, शाहरुख खान, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, मानव सुथार, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कैगिसो रबाडा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, जयंत यादव, ईशांत शर्मा, अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टॉम बैंटन, पृथ्वी राज येरा, ल्यूक वुड, साई सुदर्शन, अरशद खान।

आलोचकों से बहस करने की जरूरत नहीं

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में स्ट्राइक रेट को लेकर चल रही आलोचनाओं के बीच वीरेंद्र सहवाग ने आजिंक्य रहाणे को अहम सलाह दी है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को आलोचकों के सवालों का जवाब देने से बचना चाहिए और अपने प्रदर्शन पर ध्यान देना चाहिए। सहवाग के मुताबिक, तारीफ और आलोचना दोनों को समान रूप से लेना जरूरी है।

रहाणे को सहवाग से मिली खास सलाह

आलोचकों से बहस करने की जरूरत नहीं

वीरेंद्र सहवाग ने कहा, मुझे नहीं लगता कि खिलाड़ियों को इस तरह की बातें कहनी चाहिए। लोग आपकी तारीफ भी करेंगे और आलोचना भी, लेकिन आपको दोनों के साथ न्यूट्रल रहना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, अगर कोई मेरे स्ट्राइक रेट या बल्लेबाजी शैली पर सवाल उठाता है, तो उसमें उलझने की जरूरत नहीं है। आपको अपने खेल पर फोकस करना चाहिए।

सचिन और अमिताभ का दिया उदाहरण

सहवाग ने अपनी बात को मजबूत करने के लिए अमिताभ बच्चन और सचिन तेंदुलकर का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, आलोचकों से बहस क्यों करनी? बच्चन साहब ने कभी जवाब नहीं दिया। सचिन तेंदुलकर के बारे में एक अखबार ने 'एण्डुलकर तक लिख दिया था, लेकिन उन्होंने भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। आजिंक्य रहाणे स्ट्राइक रेट पर सवाल उठने से नाराज नजर आए थे। उन्होंने कहा था, मेरा स्ट्राइक रेट 2023 से अब तक सबसे अच्छा है। जो लोग बात कर रहे हैं, शायद वे मैच नहीं देख रहे या उनके पास कोई एजेंडा है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोग उनकी सफलता से जलते हैं और उन्हें खेलते हुए देखना पसंद नहीं करते।

सहवाग ने किया रहाणे का बचाव

हालांकि वीरेंद्र सहवाग ने रहाणे के स्ट्राइक रेट का बचाव भी किया। उन्होंने कहा कि एक मैच में कुछ ज्यादा गेंद खेलने से स्ट्राइक रेट प्रभावित हो सकता है। उन्होंने विराट कोहली का उदाहरण देते हुए कहा, लोग कोहली को भी नहीं छोड़ते, इसलिए इन बातों में पड़ने का कोई फायदा नहीं है।

रहाणे का प्रदर्शन और रिकॉर्ड

आईपीएल 2026 में रहाणे का स्ट्राइक रेट 150 के करीब है। पिछले सीजन में उन्होंने 12 पारियों में 390 रन बनाए थे। उनका सबसे बेहतरीन स्ट्राइक रेट 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आया था, जब उन्होंने 172.48 की स्ट्राइक रेट से 326 रन बनाए और टीम को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई।

पूर्व कमिश्नर ललित मोदी ने बीसीसीआई को लताड़ा

- आईपीएल में हो रहा 2400 करोड़ रुपए का 'नुकसान'

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी ने एक बड़ा खुलासा करते हुए दावा किया है कि लीग अपने मूल रूप से तय फॉर्मेट का पालन न करके 2400 करोड़ रुपए का अतिरिक्त रेवेन्यू गंवा रही है। मोदी, जिन्होंने दो फेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के लगभग 31,000 करोड़ रुपए की कुल कीमत पर बिकने के बाद लीग की बढ़ती वैल्यूएशन पर खुशी जताई थी, चाहते हैं कि बोर्ड इन कथित नुकसानों की भरपाई के लिए पूरी तरह से होम-एंड-अवे फॉर्मेट पर वापस लौटे।

मोदी के अनुसार मूल रूप से हर टीम को एक-दूसरे के खिलाफ दो बार खेलना था। 2022 में लीग के 10 टीमों तक विस्तार के साथ ऐसी संरचना के परिणामस्वरूप 90 मैचों का लीग चरण होता, जिसके बाद चार नॉकआउट मैच होते। हालांकि आईपीएल ने 'होम-एंड-अवे' सिस्टम में बदलाव करके केवल 74 मैचों के साथ ही काम करना जारी रखा है। उन्होंने स्पोर्टस्टार के साथ एक इंटरव्यू में कहा, 'हर मैच के लिए बीसीसीआई को 50 प्रतिशत मिलता है, और बाकी 50 प्रतिशत टीमों में बांटा जाता है'। नतीजतन, टीमें अब 20 मैचों से वंचित हो रही हैं। यह एक अनुबंध संबंधी दायित्व है, क्योंकि वे जो फीस दे रही हैं, उसके बदले उन्हें 'होम-एंड-अवे' मैच उपलब्ध कराए जाने चाहिए। उन्होंने आगे कहा, होम-एंड-अवे फॉर्मेट में ही असली वैल्यू छिपी है। अगर कैलेंडर में जगह नहीं है, तो टीमों की संख्या न बढ़ाएं। यह इतना ही आसान है। हमने यह डील नहीं की थी। क्या सभी ने इस पर अपनी सहमति दी है? मैं गारंटी देता हूं कि उन्होंने ऐसा नहीं किया है।

केकेआर को एक और झटका

पथिराना को अभी तक नहीं मिली आईपीएल खेलने की मंजूरी

कोलकाता (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स की मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं और हर गुजरते मैच के साथ उनका प्रदर्शन और खराब होता जा रहा है। मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने पहले दो मैच हारने के बाद केकेआर का पंजाब किंग्स के खिलाफ हालिया मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया। एक तरफ टीम पहले से ही चोटों की कई समस्याओं से जूझ रही है, वहीं दूसरी तरफ उन्हें एक और बड़ा झटका लगा है। श्रीलंकाई पेसर मथीशा पथिराना को अभी तक श्रीलंका क्रिकेट से नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) नहीं मिला है। क्रिकइंफो की एक रिपोर्ट के मुताबिक स्ष्ट ने इस बात की पुष्टि की है कि वानिंदु हसरंगा और मथीशा पथिराना उन 15 केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने अभी तक अनिवार्य फिटनेस टेस्ट नहीं दिए हैं। वहीं 6 अन्य खिलाड़ी कम से कम एक बार टेस्ट में फेल हो चुके हैं। पथिराना को टी20 विश्व कप 2026 के दौरान पिंडली में खिंचाव आ गया था, उन्होंने हाल ही में नेट्स में गेंदबाजी शुरू की है। रिपोर्ट के अनुसार वह अप्रैल के मध्य तक भारत में आईपीएल टीम से जुड़ सकते हैं। हालांकि एसएलसी द्वारा अनिवार्य किए गए उनके फिटनेस टेस्ट की कोई आधिकारिक तारीख अभी तय नहीं हुई है, लेकिन उम्मीद है कि यह टेस्ट अगले एक हफ्ते के भीतर हो जाएगा। हसरंगा जिन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स ने खरीदा है, वह इस समय बाएं पैर की हैमस्ट्रिंग में लगी चोट से जूझ रहे हैं। उनकी उपलब्धता को लेकर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है, क्योंकि उन्होंने अभी तक एनओसी के लिए आवेदन नहीं किया है।

एशियन कप से पहले रूस के खिलाफ तीन मैच खेलेगी भारतीय -17 फुटबॉल टीम

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम 11 से 17 अप्रैल के बीच रूस के खिलाफ तीन मैत्री मैच खेलेगी। यह मुकाबले सोची में आयोजित होंगे, जहां टीम अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देगी। इस दौरे के लिए मुख्य कोच पामेला काउंटी ने 23 सदस्यीय टीम का ऐलान किया है, जिसमें युवा खिलाड़ियों को मौका दिया गया है।

कब और कहां होंगे मुकाबले

भारत और रूस के बीच ये तीनों मैच 11, 14 और 17 अप्रैल को सोची के मात्सेस्टा फुटबॉल सेंटर में खेले जाएंगे। टीम सोमवार देर रात सोची पहुंच चुकी है और मुकाबलों के लिए तैयारी शुरू कर दी है। यह सीरीज खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने का अच्छा मौका होगी।

एशियन कप की तैयारी पर फोकस

भारतीय टीम इस साल चीन में होने वाले एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप की तैयारी कर रही है। इस टूर्नामेंट में भारत को ग्रुप बी में रखा गया है, जहां उसका मुकाबला ऑस्ट्रेलिया (2 मई), जापान (5 मई) और लेबनान (8 मई) से होगा। सभी मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे खेले जाएंगे।

हालिया प्रदर्शन से बढ़ा आत्मविश्वास

भारतीय टीम हाल ही में म्यांमार के यांगून दौरे पर गई थी, जहां उसने मेजबान टीम के खिलाफ दो मैत्री मैच खेले। इन मुकाबलों में टीम ने 2-0 और 3-2 से जीत दर्ज की, जिससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। इसके बाद टीम ने बेंगलुरु में प्रशिक्षण शिविर भी लगाया।

एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप

प्रीति ने ओलंपिक विजेता को हराया, फाइनल में बनाई जगह

उलानबटोर (मंगोलिया) (एजेंसी)। उदीयमान भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार ने पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता कोरिया की ऐजी इम को हराकर एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के फाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि निकहत जरीन और लवलीना बोरगोहेन हारकर बाहर हो गई। प्रिया और अरूंधति चौधरी ने भी अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीते। विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता पूजा रानी और अंकुशिता बोरो को सेमीफाइनल में हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति ने तीन दौर के मुकाबले में इम को 5-0 से हराया। अब फाइनल में उनका सामना तीन बार की विश्व चैम्पियन (2019, 2023, 2025) और तोक्यो ओलंपिक 2020 की कांस्य पदक विजेता चीनी ताइपै की हुआंग सियाओ वेन से होगा। महिलाओं के 60 किलोवर्ग में प्रिया ने स्थानीय मुक्केबाज नामून मोंखोर को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। अब उनका सामना उत्तर कोरिया की उन जियोंग वोन से होगा। अरूंधति ने उजबेकिस्तान की ओइशा तोइरोवा को 70 किलोवर्ग के सेमीफाइनल में 4.1 से हराया। अब उनका सामना कजाखस्तान की बेकित सेइदिश से होगा। दो बार की विश्व चैम्पियन निकहत को ओलंपिक पदक विजेता चीन की वू यू ने 51 किलोवर्ग के सेमीफाइनल में 5-0 से मात दी। निकहत की इस मुक्केबाज के खिलाफ यह दूसरी हार है।

फीडे कैंडिडेट शतरंज

दिव्या और वैशाली की पहली जीत, सिंदारोव की पांचवीं जीत

साइप्रस (एजेंसी)। फ़ीडे कैंडिडेट शतरंज में छठे राउंड में भारत के लिए अच्छी खबर आई जब महिला वर्ग में भारत की दिव्या देशमुख नें कजाकिस्तान की बीबीसारा असुबायेवा को और आर वैशाली नें रूस की लाग्नो कैटरीना को पराजित करते हुए ना सिर्फ अपनी पहली जीत दर्ज की बल्कि दोनों नें खुद को एक बार फिर खिताबी दौड़ में शामिल कर लिया है। दिव्या देशमुख नें काले मोहरो से खेलते हुए सेमी स्लाव ओपनिंग में बिबिसारा को वजीर और हाथी के एंडगेम में 46 चालों में पराजित किया वहीं वैशाली नें भी काले मोहरो से इटेलियन ओपनिंग में लग्नों कैटरीना को राज की और जोरदार आक्रमण करते हुए 47 चालों में पराजित किया। वहीं यूक्रेन की अन्ना मुज्यचुक नें चीन की जू जिनर को पराजित करते हुए 4 अंकों के साथ एकल बढ़त बना ली है . इस समय दिव्या, वैशाली 3 अंकों के साथ सयुंक्त दूसरे स्थान पर चल रही है। पुरुष वर्ग में उज़्बेकिस्तान सिंदारोव जावोखीर नें आज एक और जीत दर्ज की और यह उनकी लगातार चौंथी जीत रही, सिंदारोव नें आज चीन के वे यी को पराजित करते हुए छह राउंड के बाद 5.5 अंक बनाते हुए फ़ीडे कैंडिडेट का एक नया रिकॉर्ड बना दिया है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस 2026

भोपाल साइकिल सिटी के सपने के साथ लिया गया स्वास्थ्य का संकल्प

भोपाल, नप्र। विश्व स्वास्थ्य दिवस 2026 के मौके पर भोपाल में एक अलग ही माहौल देखने को मिला। सुबह की ताज़गी भरी हवा में साइकिलों की रफ्तार और लोगों के चेहरे पर दिखता उत्साह यह बता रहा था कि शहर अब एक नई दिशा में बढ़ रहा है साइकिल सिटी बनने की दिशा में। इसी कड़ी में विनोद पांडेय द्वारा देखा गया सपना भोपाल को साइकिल सिटी बनाना अब एक जनआंदोलन का रूप लेता दिखाई दे रहा है।

स्वास्थ्य के लिए सिर्फ बातें नहीं, संकल्प जरूरी है

वे सिर्फ एक दिन के लिए नहीं, बल्कि अपनी जीवनशैली में बदलाव लाएंगे। इस मौके पर एक विशेष पहल भी सामने आई एक दिन का उपवास और रोज़मर्रा की जिंदगी में साइक्लिंग को शामिल करना। और साइक्लिंग को अपनाना– एक स्वस्थ, सरल और वैज्ञानिक जीवनशैली की ओर कदम है। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि नियमित साइक्लिंग से दिल मजबूत होता है, तनाव कम होता है और शरीर फिट रहता है। ऐसे में यह पहल इस साल की थीम के साथ पूरी तरह मेल खाती है, जहाँ विज्ञान और समाज दोनों एक साथ आगे बढ़ते हैं। भोपाल में अब यह सोच मजबूत होती जा रही है कि स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामाजिक कर्तव्य भी है। और जब एक शहर मिलकर यह तय कर ले कि उसे स्वस्थ बनना है तो कोई भी सपना दूर नहीं होता। भोपाल में आज जो साइकिल चल रही है, वह सिर्फ एक साधन नहीं, बल्कि एक संदेश है । स्वास्थ्य कोई महंगी चीज नहीं, बल्कि एक सही आदत का परिणाम है। सड़कों पर बढ़ती यह साइकिलों की संख्या यह भी दर्शाती है कि लोग अब समझने लगे हैं कि बदलाव की शुरुआत खुद से करनी होती है। जब एक व्यक्ति साइकिल उठाता है, तो वह न सिर्फ खुद को स्वस्थ बनाता है, बल्कि पूरे शहर को एक नई दिशा देता है। यह पहल अब धीरे-धीरे एक आंदोलन का रूप लेती जा रही है– एक ऐसा आंदोलन जो आने वाले समय में भोपाल को एक हेअल्थी और साइकिल फ्रेंडली सिटी के रूप में पहचान दिला सकता है। और शायद यही इस दिन का सबसे बड़ा संदेश है सपनों को हकीकत में बदलने के लिए बस एक कदम उठाना होता है।

घबराकर गैस बुकिंग या स्टॉक करने की जरुरत नहीं

मध्यप्रदेश में ऑयल कंपनियों द्वारा ईंधन की पर्याप्त आपूर्ति जारी

भोपाल, नप्र। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद, सरकारी तेल कंपनियां (इंडियनऑयल, बीपीसीएल और एचपीसीएल) मध्यप्रदेश में एलपीजी और पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति लगातार और पर्याप्त मात्रा में कर रही हैं। राज्य में घरेलू एलपीजी की सप्लाई को प्राथमिकता दी जा रही है और गैस सिलेंडर की डिलीवरी सामान्य रूप से जारी है। वर्तमान में मध्यप्रदेश में रोजाना करीब 2.20 लाख एलपीजी सिलेंडर वितरित किए जा रहे हैं, जो सामान्य दिनों के बराबर है। यह जानकारी इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड भोपाल के राज्य मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में अजय कुमार श्रीवास्तव, मुख्य महा प्रबंधक एवं राज्य प्रमुख ने दी 7 उन्होंने बताया कि घरेलू एलपीजी के साथ-साथ व्यावसायिक गैस की आपूर्ति भी तय नियमों के अनुसार की जा रही है। कम गैस उपयोग करने वाले या जिनके पास स्थानीय पता नहीं है (जैसे छात्र, प्रवासी श्रमिक आदि) के लिए 5 किलो वाले छोटे सिलेंडर भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके लिए मंडीदीप, पीथमपुर, गोविंदपुरा, मालनपुर, देवास, सिंगरौली जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में विशेष कैंप लगाए जा रहे हैं।

प्रेस वार्ता में बताया गया कि मध्यप्रदेश में कुल 13 बॉटलिंग प्लांट (इंडियनऑयल-6, बीपीसीएल-3 और एचपीसीएल-4) कार्यरत हैं, जिनमें पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। इन प्लांट्स से राज्यभर में 1552 गैस एजेंसियों के माध्यम से उपभोक्ताओं को सप्लाई की जा रही है। ग्राहकों को गैस बुकिंग के लिए स्स्ब्, मिस्ड कॉल और ढ्डूत्र जैसे डिजिटल माध्यमों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। अभी लगभग 95% बुकिंग ऑनलाइन हो रही है। डिलीवरी के समय हृञक्ष के जरिए सही ग्राहक को सिलेंडर दिया जा रहा है। कुछ जगहों पर गड़बड़ी और कालाबाजारी की शिकायतें मिलने पर कंपनियों ने सख्ती बढ़ाई है। जांच के लिए विशेष टीमें बनाई गई हैं। मध्यप्रदेश में अब तक 2485 छापे मारे गए हैं, 10 एफआईआर दर्ज की गई हैं और 3561 सिलेंडर जब्त किए गए हैं।

श्री अजय कुमार श्रीवास्तव् ने इंडियनऑयल के सभी उपभोक्ताओं को भरोसा दिलाया है कि देश में एलपीजी की कोई कमी नहीं है। लोगों से अपील की गई है कि वे घबराकर गैस की बुकिंग या स्टॉक न करें और अफवाहों पर ध्यान न दें। पेट्रोल और डीजल की बात करें तो राज्य में कुल 7147 पेट्रोल पंप हैं, जिनमें से 649 निजी कंपनियों के हैं। राज्य में 4 टर्मिनल और 13 डिपो के जरिए पर्याप्त स्टोरेज और सप्लाई व्यवस्था बनी हुई है। वर्तमान में मध्यप्रदेश में रोजाना लगभग 8000 किलोलीटर पेट्रोल और 16000 किलोलीटर डीजल की सप्लाई हो रही है।

बाल विवाह पर सख्ती: अक्षय तृतीया से पहले सभी जिलों में कंट्रोल रूम और उड़न दस्ते बनाने के निर्देश

भोपाल, नप्र। अक्षय तृतीया के अवसर पर होने वाले सामूहिक विवाह में बाल विवाहों को रोकने के लिए राज्य सरकार ने विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। सचिव महिला एवं बाल विकास श्रीमती जी वी रश्मि ने सभी कलेक्टरों को पत्र लिखकर बाल विवाह रोकथाम के लिए व्यापक अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा संचालित बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत प्रदेश में बाल विवाह की घटनाओं को शून्य करने और किशोरियों के सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण नेशनल फ़ैमिली हेल्थ सर्वे के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में बाल विवाह के मामलों में कमी आई है, लेकिन कुछ जिलों में अभी भी यह समस्या बनी हुई है। अक्षय तृतीया इस वर्ष 20 अप्रैल 2026 को है और इस दिन प्रदेश में बड़ी संख्या में सामूहिक विवाह आयोजित होते हैं। ऐसे आयोजनों में बाल विवाह होने की संभावना को देखते हुए प्रशासन को विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। निर्देशानुसार स्कूलों और कॉलेजों में विद्यार्थियों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाएगा। 20 अप्रैल को ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में पंच, सरपंच, सचिव और पार्षद बाल विवाह नहीं होने देने की शपथ लेंगे तथा पंचायत और वार्ड कार्यालयों में इसका प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इसके अलावा स्कूलों और आंगनबाड़ी के बच्चों की जागरूकता रैलियां भी निकाली जाएंगी।

गांवों में स्व-सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा समूह चर्चा आयोजित कर परिवारों को बाल विवाह न करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, ग्राम कोटवार और पंचायत सचिव की मदद से 18 वर्ष से कम उम्र की किशोरियों की सूची तैयार कर संबंधित परिवारों को समझाइश दी जाएगी तथा उन पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। बाल विवाह की सूचना देने के लिए हेल्पलाइन नंबर 181, 1098 और 112 का व्यापक प्रचार करने के निर्देश दिए हैं। इसके अतिरिक्त बाल विवाह मुक्त भारत पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

एडवोकेट कैलाश कुशवाहा पुनः जिला अध्यक्ष, डालचंद कुशवाहा महामंत्री निर्विरोध निर्वाचित

भोपाल, नप्र। प्रांतीय कुशवाहा समाज, जिला भोपाल के अध्यक्ष एवं महामंत्री पद के लिए चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। इस दौरान कैलाश कुशवाहा (एडवोकेट) को पुनः निर्विरोध जिला अध्यक्ष चुना गया, जबकि डालचंद कुशवाहा महामंत्री पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए।

चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों में खुशी का माहौल रहा। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष योगेश मानसिंह कुशवाहा, संरक्षक नारायण सिंह कुशवाहा, पूर्व महामंत्री गोपाल सिंह कुशवाहा, मुरली कुशवाहा, आशीष कुशवाहा, लक्ष्मी नारायण कुशवाहा, महिला जिला अध्यक्ष ओमवती कुशवाहा, सुनील कुशवाहा एवं अन्य सामाजिक बंधुओं ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

समाज के वरिष्ठजनों ने विश्वास जताया कि नव निर्वाचित पदाधिकारी संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के साथ सामाजिक गतिविधियों को गति देंगे।

लंदन में चमक रहे भोपाल के युवा संगीतकार पलाश झा, नए प्रोजेक्ट्स से बटोरी सुर्खिया

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के उभरते संगीत कलाकार पलाश झा आज लंदन में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। पढ़ाई के उद्देश्य से लंदन पहुंचे पलाश ने यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्ट लंदन से एडवांस्ड म्यूजिक टेक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की और यहीं से अपने संगीत करियर को नई दिशा दी। पलाश झा के हालिया संगीत प्रोजेक्ट्स ने श्रोताओं और दर्शकों का ध्यान तेजी से आकर्षित किया है। उनके एल्बम ÷पहल÷ का गीत ÷हुआ मैं चालू÷ एक भावनात्मक और प्रेरणादायक प्रस्तुति है, जो जीवन में आगे बढ़ने, नए कदम उठाने और आत्मपहचान की भावना को दर्शाता है। इस गीत में आधुनिक संगीत संयोजन के साथ गहरी संवेदनाएं जुड़ी हुई हैं, जो विशेष रूप से युवाओं को प्रभावित कर रही हैं। इसके अलावा उनका नया सिंगल ÷अट्रैक्शन ऑन पॉइंट÷, जिसे रैपर और प्रोड्यूसर केवो के साथ मिलकर तैयार किया गया है, आधुनिक शैली और आकर्षक प्रस्तुति का बेहतरीन उदाहरण है। यह गीत आकर्षण, आत्मविश्वास और रिश्तों की केमिस्ट्री को दर्शाता है, जिसमें बीट्स और फ्लो का संतुलन श्रोताओं को खासा पसंद आ रहा है। पलाश झा लगातार नए संगीत प्रयोगों पर कार्य कर रहे हैं। उनका आगामी प्रोजेक्ट ÷बेली बावल ईपी÷ इलेक्ट्रॉनिक संगीत पर आधारित है, जिसमें अफ्रो-ब्राजीलियन संगीत शैली की झलक देखने को मिलेगी। यह प्रोजेक्ट उनके संगीत में एक अंतरराष्ट्रीय स्वर लेकर आने वाला है। लंदन में पलाश ने अपनी कंपनी एपिक सेंसशन लिमिटेड की स्थापना की है, जो उनके संगीत और रचनात्मक कार्यों का प्रमुख केंद्र बन चुकी है। इसके साथ ही उन्होंने भोपाल की भोज म्यूजिक और कनाडा की नैस्टी नेशन एंटरटेनमेंट के साथ भी कार्य किया है, जिससे उनका संगीत वैश्विक स्तर पर पहुंच बना रहा है। भोपाल से लंदन तक का यह सफर पलाश झा की मेहनत, समर्पण और लगन का प्रतीक है। अपने अलग अंदाज़ और निरंतर नवाचार के साथ वह आने वाले समय में संगीत जगत में एक मजबूत पहचान बनाने की ओर अग्रसर हैं।

विजय मार्केट में डकैती की साजिश नाकाम, 6 आरोपी गिरफ्तार - पुलिस टीम का हुआ सम्मान

भोपाल, नप्र। थाना गोविंदपुरा जोन-02 नगरीय पुलिस, भोपाल ने बरखेड़ा स्थित विजय मार्केट, भेल में सोने-चांदी की दुकानों में डकैती की योजना बना रहे आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने इस मामले में 4 वयस्क आरोपियों एवं 2 बाल आरोपियों को पकड़कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

इस सराहनीय कार्रवाई के लिए भेल व्यापारी महासंघ, विजय मार्केट द्वारा पुलिस टीम का सम्मान किया गया। समिति के अध्यक्ष रामबाबू शर्मा ने बताया कि पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की तत्परता एवं सजगता से एक बड़ी वारदात टल गई। सम्मानित किए गए अधिकारियों में अति. पुलिस उपायुक्त जोन-02 भोपाल श्री गौतम सोलंकी, सहायक पुलिस आयुक्त गोविंदपुरा श्रीमती अदिति बी. सक्सेना, निरीक्षक अवधेश सिंह तोमर, उपनिरीक्षक गजराज सिंह, उपनिरीक्षक खेत सिंह, एएसआई प्रशसिंह ठाकुर, बेडरे सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। इसके अलावा प्र.आर. दीपक मालवीय, प्र.आर. लक्ष्मीनारायण, प्र.आर. मुकेश कुमार यादव, प्र.आर. नरेन्द्र सिंह चौहान, प्र.आर. लीलाधर ठाकुर, आरक्षक दिव्यांशु द्विवेदी, आरक्षक कार्तिक पटेल, आरक्षक अंशुल मिठास, आरक्षक सुभाष पटेल एवं आरक्षक सुनील डांगे को भी सम्मानित किया गया।इस अवसर पर व्यापारी महासंघ के अध्यक्ष रामबाबू शर्मा , सुनील गंगवानी, अजय महेश्वरी ,विनोद वाघेला, अजय आहूजा (गांधी मार्केट पिपलानी), जितेंद्र सचदेवा, देवेंद्र जैन, लालू भाई, मनोज गुप्ता, मनीष गोयल, संतोष भदौरिया महेंद्र नामदेव चेतन साहू सहित अनेक व्यापारी बंधु उपस्थित रहे।व्यापारियों ने पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र में सुरक्षा की भावना और अधिक मजबूत हुई है।

निगम अमले ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों से हटाये अतिक्रमण

भोपाल, नप्र। नगर निगम द्वारा शहर में अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही निरंतर जारी है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने सीएम हेल्प लाईन, कॉल सेंटर व अन्य माध्यमों से प्राप्त षिकायतों के निराकरण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत विभिन्न क्षेत्रों से सब्जी की दुकानें, गन्ने की चरखी, भवन निर्माण सामग्री, ठेले, गुमठी, काउंटर, पान पार्लर, बोर्ड, ट्रक की बाडी, आवागमन में बाधक लोडिंग ट्रक व चार पहिया वाहन आदि को हटाया। निगम अमले ने जिला प्रशासन की कार्यवाही में सहयोग देते हुए भदभदा चौराहे से सैर सपाटा तक 11 दुकानों को जेसीबी में माध्यम से तोड़ा साथ ही जिला प्रशासन की एक अन्य कार्यवाही में सहयोग करते हुए प्लेटिनम प्लाजा के सामने स्मार्ट सिटी के प्लाट पर 07 जर्जर मकानों को भी जेसीबी द्वारा तोड़ा।

निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देष पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने सोमवार को कोलार चूना भट्टी, सर्वधर्म, फाईन एवेन्यू, सलैया, दानिष चौराहा, मंदाकिनी चौराहा, नीलबड़ महारानी लक्ष्मीबाई काम्पलेक्स, कमला पार्क पेट्रोल पंप, 10 नम्बर, एम.पी. नगर जोन-1, साकेत नगर, मिनाल गेट नं0-1, आजाद मार्केट, पुराना कबाड़खाना, करोंद रतन कालोनी, करोंद हरी मजार हाउसिंग बोर्ड, लालघाटी रामा नगर कालोनी, बैरागढ़ पंजाब नेषनल बैंक, लाउखेड़ी, इन्द्रा नगर आदि क्षेत्रों में अतिक्रमणों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए कमला पार्क पेट्रोल टैंक के सामने सर्विस रोड पर आवागमन में बाधक 10 दो पहिया वाहन एवं 02 चार पहिया वाहन, करोद रतन कालोनी ग्राउंड से 10 ट्रक की बाडियां, 10 लोडिंग 407 वाहन व 10 अन्य चार पहिया वाहन तथा हरी मजार हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र से 10 चार पहिया वाहनों को हटाने की कार्यवाही की। निगम अमले ने बैरागढ़ लाउखेड़ी सर्विस मार्ग पर अवैध रूप से रखी रेत, गिट्टी हटवाई तथा 10 नंबर मार्केट क्षेत्र से अवैध रूप से लगी 02 गन्ने की चरखियां के अलावा बड़ी संख्या में ठेले, गुमठियां, पान पार्लर, काउंटर, सब्जी की दुकानें, दुकानों के बाहर रखा सामान आदि भी हटाये और आवागमन को सुगम बनाया। इसके अतिरिक्त निगम अमले ने जिला प्रशासन की कार्यवाही में सहयोग देते हुए भदभदा चौराहे से सैर सपाटा तक 11 दुकानों को जेसीबी में माध्यम से तोड़ा साथ ही जिला प्रशासन की एक अन्य कार्यवाही में सहयोग करते हुए प्लेटिनम प्लाजा के सामने स्मार्ट सिटी के प्लाट पर 07 जर्जर मकानों को भी जेसीबी द्वारा तोड़ा।

गैस सिलेंडर शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश

टीएल बैठक में उपार्जन, जनशिकायत, जल संरक्षण और टीकाकरण की भी समीक्षा

भोपाल, नप्र। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में आयोजित समय-सीमा (टीएल) बैठक में एडीएम श्री सुमित कुमार पांडेय ने गैस सिलेंडर वितरण और रिफिलिंग से संबंधित शिकायतों पर तत्काल संज्ञान लेने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी एसडीएम और तहसीलदारों को अपने-अपने क्षेत्रों में गैस एजेंसियों का निरीक्षण कर शिकायतों का गंभीरता से निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही जन आकांक्षा पोर्टल पर लंबित शिकायतों का एक सप्ताह के भीतर समाधान करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में एडीएम श्री पांडेय ने विभिन्न विभागों की समीक्षा करते हुए कहा कि आमजन से जुड़ी समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी निराकरण प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

उन्होंने मिशन कर्मयोगी के द्धत्रह्ल पोर्टल के माध्यम से आयोजित साधना सप्ताह के अंतर्गत सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को न्यूनतम पाँच प्रशिक्षण पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। इस कार्यक्रम के माध्यम से अधिकारी-कर्मचारियों की क्षमता वृद्धि और प्रशासनिक दक्षता को मजबूत किया जा रहा है। एडीएम श्री पांडेय ने समर्थन मूल्य पर विपणन वर्ष 2026-27 के गेहूं उपार्जन की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक को निर्देश दिए कि जिले में स्थापित 87 उपार्जन केंद्रों पर किसानों को सुगम विक्रय सुविधा उपलब्ध कराई जाए और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से संचालित हो। उन्होंने कहा कि सभी विभाग 8 अप्रैल से पहले केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। 7 अप्रैल से पंजीकृत किसानों के लिए स्लॉट बुकिंग प्रारंभ होगी। बैठक में पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से नरवाई जलाने की घटनाओं पर सख्ती बरतने के निर्देश भी दिए गए। किसानों को जागरूक करने तथा नरवाई प्रबंधन के वैकल्पिक उपाय अपनाने के लिए व्यापक गतिविधियां संचालित करने को कहा गया।

जिला पंचायत सीईओ श्रीमती इला तिवारी ने बैठक में संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत लंबित आवेदनों की समीक्षा करते हुए सभी प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आवेदन आमजन की समस्या से जुड़ा होता है, इसलिए उसका समय-सीमा में समाधान आवश्यक है। अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग कर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा जिला स्तरीय शिविर आयोजित करने की विस्तृत कार्य योजना तैयार करने के निर्देश भी दिए गए।

सीईओ श्रीमती इला तिवारी ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए एचपीवी टीकाकरण अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए। सीएचएमओ, डीईओ और डीपीसी को लक्षित वर्ग तक अधिकतम पहुंच सुनिश्चित करने, जागरूकता बढ़ाने और अभियान की निरंतर निगरानी करने को कहा गया।

बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति की भी समीक्षा की गई। सीईओ श्रीमती तिवारी ने अभियान को और गति देने तथा व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण समय की आवश्यकता है और इसके लिए समाज के हर वर्ग की सहभागिता जरूरी है। ग्राम स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया जाए। साथ ही अभियान के अंतर्गत निर्मित जल संरचनाओं को राजस्व अभिलेखों में दर्ज कर उनके दीर्घकालीन संरक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में एडीएम श्री अंकुर मेश्राम, श्री प्रकाश नायक सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूलों में एचपीवी वैक्सीन की जानकारी देने और 100 दिवसीय टीबी स्क्रीनिंग अभियान की लक्ष्य पूर्ति के दिए निर्देश

भोपाल, नप्र। जिला स्वास्थ्य समिति बैठक का आयोजन सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में किया गया। बैठक में जिले में संचालित स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की गई।

बैठक में अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी श्री सुमित पांडे, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. मनीष शर्मा,स्वास्थ्य कार्यक्रमों के नोडल अधिकारियों सहित विभिन्न विभागों और शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं के अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। समीक्षा में प्रथम त्रैमास में एएनसी के पंजीयन, गर्भवती महिलाओं की जांच, फॉलोअप, हाई रिस्क चिन्हांकन की समीक्षा की गई। जिन हितग्राहियों के समग्र आई डी नहीं बने हैं उनकी लाइन लिस्टिंग तैयार कर आईडी बनवाई जाने के निर्देश दिए गए। संस्था प्रभारी को निर्देशित किया कि प्रत्येक गर्भवती महिलाओं का फॉलोअप कर दी गई सेवाओं की 100% एंट्री सुनिश्चित की जावे। बैठक में पूर्ण टीकाकरण कवरेज बढ़ाने, युवीन पोर्टल पर रियल टाइम प्रविष्टि करने और एचपीवी टीकाकरण बढ़ाने के निर्देश दिए गए। किशोरी बालिकाओं को एचपीवी टीका लगवाने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से टीके के फायदे की जानकारी परिजनों को देने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही ट्राईबल हॉस्टल में रहने वाली बालिकाओं के टीकाकरण हेतु जनजाति कार्य विभाग से समन्वय के निर्देश दिए। 100 दिवसीय टीबी स्क्रीनिंग अभियान में वनरेबल पॉपुलेशन की शत -प्रतिशत स्क्रीनिंग कर निक्षय पोर्टल पर प्रविष्टि करने के निर्देश दिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, रेणु शर्मा द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर भोपाल, से मुद्रित तथा ई–3/23, अरेरा कॉलोनी, भोपाल (मप्र) से प्रकाशित। **संपादक**– आशीष गोस्वामी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) Email : narmadanewsttp@gmail.com, मोबाईल . 7697769136